राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,04 जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–338 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आज से आगाज, पीएम मोदी बोले- विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

- 108वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत स्टार्टअप्स में शीर्ष 3 देशों में शामिल है। 2015 तक हम 130 देशों के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर थे, लेकिन 2022 में हम 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भारत की वैज्ञानिक समुदाय भारत को 21वीं सदी में वो मुकाम हासिल कराएगी जिसका वो हमेशा हकदार रहा है।
- 'साइंटिफिक अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है भारत' पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के आज के भारत में हमारे पास दो चीजे हैं। पहली डेटा और दूसरी तकनीक है। इन दोनों में भारत के विज्ञान को नई बुलंदियों में पहुंचाने की ताकत है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि अगले 25 वर्षों में भारत जिस ऊंचाई पर होगा, उसमें भारत की वैज्ञानिक शक्ति की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। विज्ञान में जोश के साथ जब देश की सेवा का संकल्प जुड़ जाता है तो नतीजे भी अभूतपूर्ण आते हैं।

पीएम बोले- ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 40वें स्थान पर है भारत

108वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत स्टार्टअप्स में शीर्ष 3 देशों में शामिल है। 2015 तक हम 130 देशों के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर थे, लेकिन 2022 में हम 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भारत की वैज्ञानिक समुदाय भारत को 21वीं सदी में वो मुकाम हासिल कराएगी जिसका वो हमेशा हकदार रहा है।

'साइंटिफिक अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है भारत'

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के आज के भारत में हमारे पास दो चीजे हैं। पहली डेटा और दूसरी तकनीक है। इन दोनों में भारत के विज्ञान को नई बुलंदियों में पहुंचाने की ताकत है। डेटा विश्लेषण की फील्ड तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। आज का भारत जिस साइंटिफिक अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है, हम उसके नतीजे भी देख रहे हैं। साइंस के क्षेत्र में भारत तेजी से विश्व के टॉप देशों में शामिल हो रहा है।

'विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विज्ञान के प्रयास तभी फल ला सकते हैं, जब वे प्रयोगशाला से जमीन पर जाएं। पीएम ने आगे कहा कि 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किए जाने के साथ ही विज्ञान के उपयोग से भारत के बाजरा और उनके उपयोग में और सुधार किया जाना चाहिए। आज देश की सोच केवल यह नहीं है कि साइंस के जरिए वुमन इम्पावरमेंट करें, बल्कि वुमन की भागीदारी से साइंस का भी इम्पावरमेंट करें। साइंस और रिसर्च को नई गति दें, यह हमारा लक्ष्य है।

महिला सशक्तिकरण है मुख्य विषय

इस वर्ष के भारतीय विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी है। इस आयोजन के दौरान सतत विकास, महिला सशक्तिकरण और इसे प्राप्त करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

किन मुद्दों पर होगी चर्चा

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रतिभागी महिलाओं को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) शिक्षा, अनुसंधान के अवसरों और आर्थिक भागीदारी तक समान पहुंच प्रदान करने के तरीके खोजने के प्रयासों के साथ-साथ शिक्षण, अनुसंधान और उद्योग के शीर्ष क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा और विचार-विमर्श करेंगे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं के योगदान को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध महिला वैज्ञानिकों के व्याख्यान भी होंगे।

विश्वविद्यालयों की हालत सुधारने और रिसर्च को बढ़ावा देने की मांग लेकर वित्त मंत्री से मिले छात्र

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा से जुड़े छात्र चाहते हैं कि केंद्रीय बजट में विश्वविद्यालयों में होने वाली रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही छात्र चाहते हैं कि वित्त मंत्रालय ऐसे विश्वविद्यालयों की सुध ले जिनकी स्थिति अच्छी नहीं है। इसी को देखते हुए छात्रों ने उच्च शिक्षा तथा रिसर्च के लिए जीडीपी का दो प्रतिशत बजट निर्धारित करने की मांग, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष रखी है। छात्रों ने वित्त मंत्री से राज्य विश्वविद्यालयों की दशा के सुधार पर ध्यान देने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए बजट निर्धारण और रिसर्च के लिए आधारभूत संरचना के विकास मांग भी की है। इन सभी विषयों पर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलकर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विषयों का ज्ञापन दिया। अभाविप ने ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों व लघु शहरों में आधारभूत ढांचे के विकास, जिला केंद्रों पर स्तरीय बहु-खेल स्टेडियमों के निर्माण व व्यवस्थापन की मांग केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष की। इसके साथ ही छात्रों ने वित्त मंत्री के सामने कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने, विश्वविद्यालयों में स्टार्टअप संस्कृति तथा इंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने, विज्ञान की लैबों को उच्च गुणवत्तायुक्त करने आदि विषयों को भी उठाया है। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के लिए उचित तथा पर्याप्त बजट का निर्धारण अति-आवश्यक है। भारत में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के साथ राज्य विश्वविद्यालयों के आधारभूत संरचना के विकास आदि के लिए बजट में बढ़ोतरी होनी चाहिए। इसके साथ ही शोध, स्पोर्ट्स, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास आदि की दिशा में तेजी से प्रयास करने की मांग केन्द्रीय वित्त मंत्री के सामने अभाविप ने रखी है।

तमिलनाडु में बस, कार समेत 6 वाहनों की भिड़ंत, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

- घटना दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के कोड्डुलपोर जिले की है, जहां त्रिची-चेन्नई नेशनल हाईवे पर 6 वाहनों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है।

चेन्नई। तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। खबर है कि हादसा एक के बाद एक 6 गाड़ियों की भिड़ंत से हुआ। फिलहाल, मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। हादसे की प्रमुख वजह का पता अभी नहीं चल पाया है। स्थानीय पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना दक्षिण भारतीय राज्य के कोड्डुलपोर जिले की है, जहां त्रिची-चेन्नई नेशनल हाईवे पर 6 वाहनों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। वाहनों में दो निजी बसें, दो लॉरियां और दो कार शामिल हैं। पुलिस ने जानकारी दी है कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग एक कार में सवार थे। वेपूर फायरमैन टीम की मदद से शवों को कार से निकाला गया है और ऑटोप्सी के लिए शासकीय अस्पताल में भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। लेकिन कार की आरसी बुक के अनुसार वाहन चेन्नई के नंगनल्लूर का था। आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के कंझावला मामले पर अमित शाह ने दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी

महिला अधिकारी को सौंपी कमान

नई दिल्ली। दिल्ली में लड़की को घसीटने और मौत के मामले में गृह मंत्रालय एक्शन में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने दिल्ली के कंझावला कांड पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट दिल्ली पुलिस की वरिष्ठ महिला अधिकारी को देने की बात कही गई है। बता दें कि कंझावला में एक लड़की को कई किलोमीटर तक गाड़ी से घसीटने और फिर उसकी मौत हो जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक घटना की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को निर्देश देकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर से पूरे मामले में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस में विशेष आयुक्त शालिनी सिंह को पूरे मामले की जांच कर गृह मंत्रालय को ये विस्तृत रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस को सुबह करीब 4 बजे कंझावला मुख्य मार्ग पर नग्न अवस्था में एक महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। शरीर में हर जगह घसीटने के निशान थे। फिलहाल मामले में पुलिस ने कार सवार पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

मालदा में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

पीएम मोदी ने मां हीराबेन के निधन के दिन किया था उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के हावड़ा में देश की सातवीं वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के महज चार दिन बाद ही इस सेमी हाई स्पीड ट्रेन पर पथराव हुआ है। जिस दिन पीएम मोदी ने ट्रेन का उद्घाटन किया था, उसी दिन उनकी मां हीराबेन का निधन हुआ था। वे अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम में जुड़े थे। घटना पश्चिम बंगाल के हावड़ा के पास मालदा स्टेशन की बताई जा रही है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, हावड़ा को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के शुरू होने के 4 दिन बाद ही उस पर पथराव किया गया है। पथराव से ट्रेन को काफी नुकसान हुआ है। शीशे टूटे हुए हैं। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 30 दिसंबर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी तक चलने वाली देश की सातवीं वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत की थी। इसी दिन पीएम मोदी की मां हीराबेन का निधन हुआ था।

यूपी, बिहार, पंजाब में कड़ाके की ठंड, जारी रहेगा शीतलहर का प्रकोप

नई दिल्ली। इन दिनों पूरा उत्तर भारत कोहरे और शीतलहर का कहर झेल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अभी हाड़ कंपाने वाली सर्दी से राहत नहीं मिलने वाली है। अगले कुछ दिनों तक कोहरा और ठंड जारी रहेगी। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तर प्रदेश के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है। स्काइमेट वेदर की मानें तो अगले 24 घंटे में पंजाब हरियाणा, बिहार, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में घना कोहरा छाया रह सकता है।

कहां पड़ेगी कैसी ठंड

मौसम विभाग के मुताबिक पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में शीतलहर जारी रहेगी। अभी पूरे देश में ही मौसम शुष्क रहने की संभावना है। यानी अभी उत्तर भारत में बारिश नहीं होने वाली है। हालांकि अनुमान लगाया गया है कि तटीय आंध्र प्र देश और तटीय

तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो तीन दिन तक तापमान में गिरावट होती रहेगी।

जनजीवन के साथ यातायात प्रभावित

भीषण ठंड और धुंध की वजह से यातायात भी प्रभावित हुआ है। कोहरे की मार लंबी दूरी की ट्रेनों पर पड़ रही है। ट्रेनों के लेट और कैंसिल होने की वजह से यात्रियों को मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी भी जारी है। मौसम विभाग ने गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक लगातार बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। यहां तापमान गिरकर माइनस में पहुंच जाएगा।

पहाड़ों में बर्फबारी औ मैदानी इलाकों की तरफ चलने वाली ठंडी हवाओं ने उत्तर भारत में ठंड बढ़ा दी है। स्काइमेट वेदर के मुताबिक राजस्थान और हरियाणा के कुछ हिस्सों में कोल्ड डे की स्थिति देखी जा सकती है। इसके अलावा उत्तरी राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में भी शीतलहर जारी रहेगी। इन इलाकों में अभी पारा और लुढ़कने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में आसमान में बादल छाए रहेंगे जिससे ठंड में इजाफा होगा। बड़े हिस्से में धूप खुलने के आसार नहीं हैं।

कोरोना से खतरे को लेकर सावधान हुई सरकार, दूसरे बूस्टर डोज पर सरकारी पैनल में चर्चा शुरू

नई दिल्ली। चीन समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना के तेज प्रसार को देखते हुए भारत सरकार भी सतर्क हो गई है। सरकार द्वारा इसकी रोकथाम के लिए लगातार दिशानिर्देश जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री अपने अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें भी कर रहे हैं। इस बैठक में कोरोना जांच, क्वारंटीन की सुविधा, टीकाकरण से लेकर अस्पतालों की व्यवस्था पर चर्चा की जा रही है। लेकिन इस बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा बूस्टर के दूसरे डोज को लेकर हो रही है। हालांकि, सरकार का यह फैसला थोड़ा हैरान करने वाला भी है क्योंकि अभी बूस्टर का पहला शॉट भी केवल 28 फीसदी आबादी को ही लगाया गया है। बता दें कि भारत में जनवरी 2022 से बूस्टर खुराक देने की शुरुआत की गई। जिसमें पहले बुजुर्गों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को देने की घोषणा गई लेकिन बाद में फिर सभी के लिए उपलब्ध करा दिया गया।

तकनीकी समूह के बीच दूसरे बूस्टर डोज को लेकर चर्चा-मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तकनीकी समूह के सदस्यों के बीच दूसरे बूस्टर डोज को लेकर चर्चा शुरू हो गई

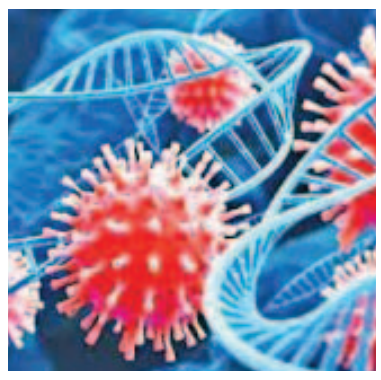

है क्योंकि एक वर्ग है जो एक और बूस्टर खुराक की अनुमति देने के लिए उत्सुक है। टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह या ह्व्नतढ्ढ की समितियों में से एक के एक विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर कहा। कोई भी सिफारिश करने से पहले वे सभी वैज्ञानिक डेटा के सूक्ष्मता से अध्ययन करेंगे।

वैक्सीन शॉट से प्राप्त प्रतिरक्षा चार से छह महीनों में कम हो जाती है-अध्ययनों से पता चला है कि वैक्सीन शॉट से प्राप्त प्रतिरक्षा आमतौर पर चार से छह महीनों में कम हो जाती है। इस अध्ययन में बताया गया है कि एक चौथा शॉट गंभीर बीमारी को दूर करने में मदद करता है, हालांकि विशेषज्ञ अब चौथे बूस्टर के रूप में द्विसंयोजक शॉट्स की सिफारिश कर रहे हैं।

कुछ डॉक्टरों ने चौथी खुराक की मांग की-कुछ डॉक्टरों ने चौथी खुराक शुरू करने का अनुरोध किया गया है, कम से कम उच्च जोखिम वाले लोगों जैसे कि स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों, बुजुर्गों और कॉमरेडिटी से पीड़ित लोगों के लिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 26 दिसंबर को एक बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से अतिरिक्त खुराक की अनुमति देने के लिए कहा। बता दें कि स्वास्थ्य देखभाल और फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए तीसरी खुराक करीब एक साल पहले दी गई थी। एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ जेए जयलाल ने कहा कि हमने स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया है कि वे लोगों, विशेष रूप से डॉक्टरों, नर्सों, अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के लिए चौथी एहतियाती खुराक पर विचार करें, जिन्हें उच्च जोखिम में रोगियों का प्रबंधन करना पड़ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोर्ट की मोहर

आखिरकार देश की सबसे बड़ी अदालत ने साल 2016 में हुई नोटबंदी पर अपना फैसला सुना दिया। इस फैसले के खिलाफ दायर 58 याचिकाओं पर शीर्ष अदालत ने सात दिसंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले अदालत ने केंद्र सरकार, केंद्रीय बैंक तथा याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनी थीं। जस्टिस एस. नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने नोटबंदी के निर्णय को सही ठहराया। जबकि न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने फैसले से असहमति जतायी। दरअसल, इन याचिकाकर्ताओं ने नोटबंदी के विभिन्न पक्षों को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। न्यायाधीशों का मानना था कि आरबीआई कानून की धारा 26(2) की शक्तियों के आधार पर बैंक नोट की किसी भी सीरीज को प्रतिबंधित किया जा सकता है। लेकिन याचिकाकर्ताओं ने 'किसी भी' सीरीज को सभी सीरीज को प्रतिबंधित करने के अधिकार के रूप में नहीं देखा। वहीं अदालत का कहना था 'किसी भी' शब्द को तंग नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही यह भी कि केंद्र सरकार व केंद्रीय बैंक को आर्थिक नीतियों की सुरक्षा हेतु सेंट्रल बोर्ड के साथ विमर्श करने की आवश्यकता होती है। वहीं दूसरी ओर फैसले से असहमत जस्टिस बी.वी़ नागरत्ना का कहना था कि केंद्र द्वारा सभी सीरीज के नोट को प्रचलन से बाहर करना गंभीर विषय था। साथ ही यह कि केंद्र को यह फैसला अधिसूचना के बजाय विधेयक के जरिये लेना चाहिए था। विषय के महत्व को देखते हुए संसद के सामने रखना चाहिए। यह भी कि आरबीआई ने फैसला केंद्र सरकार की इच्छा के मुताबिक लिया था। दूसरी ओर न्यायमूर्ति गवई ने नोटबंदी के उद्देश्यों को तार्किक बताया। उल्लेखनीय है केंद्र सरकार ने आठ नवंबर, 2016 में नोटबंदी की घोषणा की थी। इस निर्णय के बाद कई सप्ताह तक बैंकों व एटीएम में पुराने नोट बदलवाने के लिये लंबी लाइनें देखी गईं। कई जगह अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। वहीं कोर्ट ने मामले को अकादमिक बताये जाने और निर्णय को लेकर लंबा अर्सा बीतने पर सवाल उठाये थे। वहीं याचिकाकर्ताओं के वकील पी. चिदंबरम का कहना था कि ऐसे निर्णय में अनुशंसा केंद्रीय बैंक की तरफ से आनी चाहिए थी। उन्होंने विगत में नोटबंदी को लेकर संसद में कानून पारित करने के फैसले का हवाला दिया। उनकी दलील थी कि केंद्र ने कोर्ट के समक्ष पर्याप्त दस्तावेज नहीं रखे। सवाल उठाया कि क्या यह फैसला लेने के वक्त केंद्रीय बैंक के सेंट्रल बोर्ड की बैठक के सभी नियमों की पालना हुई? वहीं आरबीआई के वकील का कथन था कि फैसले की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था और बैंक ने फैसले की संस्तुति की थी। साथ ही सेंट्रल बोर्ड की बैठक में सभी जरूरी शर्तों का पालन हुआ था। दूसरी ओर याचिकाकर्ता आरबीआई कानून की धारा में शामिल शब्द 'किसी भी' की नये सिरे से व्याख्या करने की मांग करते रहे। वहीं बैंक के वकील इससे असमंजस की स्थिति पैदा होने की बात करते रहे। उनका कहना था कि यह कानून सरकार को आर्थिक अस्थिरता की स्थिति के नियमन का अधिकार देता है। वहीं सरकार के प्रतिनिधि का कहना था कि नोटबंदी सरकार की व्यापक आर्थिक नीति का एक भाग था, जिसका क्रियान्वयन केंद्रीय बैंक के साथ सामंजस्य से ही संभव था। दरअसल, सरकार का दावा था कि नोटबंदी एक सुविचारित फैसला था और इससे जुड़ी सभी प्रक्रियाओं का अनुपालन किया गया था। लेकिन याचिकाकर्ता उस दलील को नहीं मानते कि सकल घरेलू उत्पाद और चलन में आई मुद्रा के अनुपात असंतुलन को दूर करने के लिये यह कदम उठाया गया था। उनका तर्क है कि मौजूदा अनुपात नोटबंदी के समय से ज्यादा असंतुलित है। सवाल अर्थव्यवस्था से जाली नोट को बाहर करने के लक्ष्य की सार्थकता को लेकर भी उठे।

नववर्ष 2023 में दिल्ली वासियों को जाम से निजात

सभी अपने चिर परिचितबन्धु-वान्धवों-मित्र परिजन को नव की शुभ कामनाएं व उपहार भेट करनें में व्यस्त है तो कुछ नये साल की संकल्प कार्य योजना को लेकर व्यस्त है। इसी क्रम में केन्द्र सरकार/दिल्ली सरकार दिल्ली वासियों को जाम से राहत दिलाने के लिए कई राष्ट्रीय राजधानी से नव निर्मानाधीन परियोजना को तैयार करने दिन रात मेहनत कर रही है।इन परियोजना में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तीन अंडर पास एक फ्लाई ओवर अनवरत कार्य कर रही है।

(लेखक –विनोद तकियावाला)

काल का चक्र महाकाल के ईशारे पर निरंतर–निर्विधन घुम रहा है। तभी तो किसी दार्शनिक ने कहा है कि परिवर्तन प्रकृत्ति का अपरिहार्य व शास्वत नियम है।इससे हम सभी भली भांति परिचित है।जिसका आरम्भ हुआ हैउसका अंत निशचित है।जिसका आगमन हुआ उसका जाना निशचित है।कुछ ऐसा ही सन 2022 का अंत हो रहा हैवही नव वर्ष 2023 का आगमन का आगाज हो गया है।जाने वाले सन 2022 को अलविदानव वर्ष सन 2023 का स्वागत करने हम सभी अपनी तैयारियों में लग गए है। सभी अपने चिर परिचितबन्धु–वान्धवों–मित्र परिजन को नव की शुभ कामनाएं व उपहार भेट करनें में व्यस्त है तो कुछ नये साल की संकल्प कार्य योजना को लेकर व्यस्त है। इसी क्रम में केन्द्र सरकार/दिल्ली सरकार दिल्ली वासियों को जाम से राहत दिलाने के लिए कई राष्ट्रीय राजधानी से नव निर्मानाधीन परियोजना को तैयार करने दिन रात मेहनत कर रही है।इन परियोजना में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तीन अंडर पास एक फ्लाई ओवर अनवरत कार्य कर रही है।इसका का लाभ फरवरी तक मिलने लगेगा। इसमें किदवई नगर अंडर पास तैयार है। आप को बता दे कि नया साल दिल्ली वासियो को जाम से निजात मिलेगी।इसके लिए दिल्ली सरकार की चार बड़ी परियोजनाएं अगले दो माह में पूरी होने जा रही हैं।इसमें एक अंडरपास का उद्घाटन जनवरी के पहले सप्ताह में ही हो सकता है।तीन अन्य परियोजनाएं भी फरवरी के आखिर तक जनता को समर्पित कर दी जाएंगी।इससे रिंग रोड पर दक्षिणी दिल्ली से लेकर उत्तरी दिल्ली तक के लोगों को यातायात जाम से राहत मिलेगी शाथ ही शाथ महिला सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना भी शामिल है।पहली तिमाही में एक लाख 40 हजार और सीसीटीवी कैमरे और लगा दिए जाएंगे। गांधी विहार में वजीराबाद और जगतपुर के बीच मेट्रो की परियोजना को दो आधे अंडरपास के साथ अनुमोदित किया गया थाजो अभी भी बाहरी रिंग रोड पर बुराड़ी और वजीराबाद के बीच निर्माणाधीन हैं। सर्व विदित रहे कि यह सड़क शहर की सबसे व्यस्त और चौड़ी सड़कों में से एक है।इस कारण हमेशा इस क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।वही गांधी विहार अंडरपास के पैदल यात्रियों वाले भाग को तैयार कर लोगों द्वारा इसका उपयोग शुरू करने के बाद काफी राहत मिली है। इस क्षेत्र में कई कोचिंग संस्थान भी हैं। निर्माणाधीन इसअंडरपास के जिस भाग से वाहन गुजरने हैं इसे जनवरी तक तैयार किए जाने का लोक निर्माण विभाग का लक्ष्य है। वही जगतपुर अंडरपास के निर्माण पर 38 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। प्रस्तावित बजट में भले ही नहीं बढ़ा है लेकिन परियोजना दो साल देरी से पूरी हो रही है। भैरों मार्ग से रिंग रोड पर जाने के लिए भैरों मार्ग रिंग रोड टी–प्वाइंट पर अंडरपास बनाया जा रहा है।इससे मथुरा रोड सेआकर भैरों मार्ग होते हुए सीधे रिंग रोड पर जा सकेंगे। इससे लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। अभी भैरों मार्ग से रिंग रोड पर आश्रम की ओर जाने के लिए पहले एक किलोमीटर के करीब आइटीओ की ओर जाना होता है। उसके बाद पेट्रोल पंप के पास से यू–टर्न लेकर वापस आना होता है। ऐसे में यू–टर्न लेने वाले वाहनों की वजह से इस प्वाइंट पर भी जाम लग रहा है।इसे सितंबर तक तैयार हो जाना थामगर रेलवे लाइन के नीचे काम में आ रही जटिलता के चलते अब यह कार्य जनवरी या फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद है।परियोजना का कार्य पूरा डेढ़ साल पीछे चल रहा है।यह अंडरपास वैसे तो सुरंग सड़क परियोजना का हिस्सा है।इसकी राशि उसी आठ सौ करोड़ में सम्मिलित है लेकिन अंडरपास की कुल राशि 80 करोड़ रुपये मानी जा रही है।इन दिनो आश्रम और उसके आस–पास के इलाके को जाममुक्त बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। जल्द ही ये पूरा स्ट्रेच जाममुक्त हो जाएगा। यहां चल रहा आश्रम फ्लाईओवर का विस्तार कार्य जनवरी से लेकर फरवरी तक पूरा हो जाएगा।इसके बनने से आश्रम चौक और डीएनडी तथा आश्रम चौक से सराय काले खां की ओर आना जाना आसान हो जाएगा। इस परियोजना को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद फ्लाईओवर विस्तार का निर्माण कार्य जून 2020 में शुरू हुआ था।इस परियोजना की कुल लागत 128.25 करोड़ रुपये है । फ्लाईओवर की कुल लंबाई 1425 मीटर है। इसे सितंबर 2022 में पूरा किया जाना था।बनकर तैयार है । इसी तरह आइएनए में पूर्वी किदवई नगर और दिल्ली हाट बाजार के बीच पैदल यात्रियों के लिए बने अंडरपास पर लोक निर्माण विभाग ने काम लगभग पूरा कर लिया है।अधिकारियों के मुताबिक इसे जल्द ही शुरू कर दिया जाएगाजिससे नए साल में साल में लोगों को इसकी भी सुविधा मिल सकेगी। बहु परिक्षित इस परियोजना का शुरुआती समय सीमा इस साल मई थी और पहली समय सीमा अगस्त 2021 थी लेकिन वैश्विक महामारी कोरोना मे लाकडाउन के कारण पूरे शहर में काम ठप होने के कारण परियोजना में विलंब हुआमगर 50 करोड़ की लागत वाली परियोजना अब पूरी हो गई है। यहां लिफ्ट और एस्केलेटर भी लगाए जाने की योजना है। विश्वनीय सुत्रो ने बताया कि तीन अंडरपास और एक फ्लाईओवर का लाभ फरवरी तक मिलने लगेगा। इसमें किदवई नगर अंडर पास तैयार है। इसे जनवरी में खोल दिया जाएगा। अन्य परियोजनाओं को भी जनवरी में पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।अब हम केन्द्रीय सरकार के द्वारा संचालित परियोजना की चर्चा करते है। हरियाणा के सोहना से राजस्थान तक 276 किमी लंबे इस एक्सप्रेस–वे का काम अंतिम चरण में है. आठ लेन के इस एक्सप्रेस–वे को फरवरी 2023 में शुरू कर दिया जाएगा।जिसे ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे से जोड़ा गया है। दिल्ली के आश्रम अंडरपास के पास से दिल्ली– मुंबई कनेक्टर बनाया जाएगाजिसके मार्च 2024 तक बनकर तैयार होने की उम्मीद जताई गई है। दिल्ली– चंडीगढ़ दिल्ली– द्वारका दिल्ली– मुंबई एक्सप्रेस–वे व आई जी आई एयर पोर्ट को जोड़ने के लिए 75.5 किलोमीटर लंबे अर्बन एक्सटेंशन रोड़ का निर्माण कार्य जोरों पर है और अगस्त 2023 तक इसको पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।अर्बन एक्सटेंशन रोड़ बनने से वाहन दिल्ली में प्रवेश किए बिना ही बाहर निकल सकेंगे। अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन से गीता कालोनी और यूपी बार्डर के रास्ते लोनी और बागपत होते हुए दिल्ली– देहरादून एक्सप्रेस–वे का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।इस एक्सप्रेस–वे की लंबाई 210 किलोमीटर होगी।6लेन का यह एक्सप्रेसवे सीधे आई टी ओ सिग्नेचर ब्रिजआई एस वी टी कश्मीरी गेट और दिल्ली– मेरठ एक्सप्रेस–वे से जुड़ेगा और इसका निर्माण कार्य दिसंबर 2023 तक पूरा होने की सम्भावना है। एक फ्लाईओवर जो डीएनडीआश्रम एम्स की ओर आने–जाने वाले वाहनों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए निर्माण किया जा रहा है।इस फ्लाईओवर का 70त्न निर्माण काम पूरा हो चुका है और फरवरी के आखिर में इसे वाहनों के लिए खोलने की उम्मीदयें है।वही सराय काले खां अंडरपास रिंग रोड़ के रास्ते आई टी ओ से आश्रम की तरफ जाने वालों को सराय काले खां रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के सामने लगने वाले जाम से यह अंडरपास मुक्ति मिलेगी।इस अंडरपास को वाहन चालकों के अक्तुबर 2023 मे लिए खोल दिया जाएगा।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान–पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कौशल विकास हो प्राथमिकता

कौशल विकास हो प्राथमिकता/ दिनेश भारद्वाज

राजनीतिक दल यह अच्छे से समझ चुके हैं कि 'युवा' हो रहे देश में युवाओं के साथ के बिना सत्ता मुश्किल है। तभी तो हरियाणा सहित छह राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने युवाओं को लुभाने, रिझाने और मनाने के लिए प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में भी आरक्षण व्यवस्था लागू की है। यह बात अलग है कि अभी तक पूरी तरह किसी भी राज्य के युवाओं को यह अधिकार नहीं मिला है। हरियाणा के बाद अब झारखंड सरकार भी अगले साल जनवरी से प्राइवेट सेक्टर की 75 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय युवाओं के लिए रिजर्व करने जा रही है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव हरियाणा के लिए खास थे। भाजपा सत्ता में थी और मनोहर लाल के नेतृत्व में '75 प्लस' के नारे के साथ चुनाव लड़ा गया। पांच साल की एंटी–इन्कमबेंसी भी थी और भी दूसरे राजनीतिक कारण थे कि भाजपा चालीस का आंकड़ा मुश्किल से छू पाई। इनेलो से अलग होकर अस्तित्व में आई दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने इन चुनावों में ऐसा प्रदर्शन किया कि सत्ता की 'चाबी' उसके हाथों में आ गई। जजपा को 10 सीटों पर विधायक मिले। नब्बे हलकों वाली हरियाणा विधानसभा में भाजपा को दूसरी बार सत्तासीन होने के लिए छह विधायकों की जरूरत थी। ऐसे में उसे 10 विधायकों वाली जजपा का साथ मिला। जब दो दल मिलकर सरकार बनाएंगे तो लाजिमी है कि चुनावी मुद्दों पर भी सौदेबाजी हुई होगी। गठबंधन की सरकार में डिप्टी सीएम बने दुष्यंत सिंह चौटाला प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में मूल निवासी युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण देने का अपनी पार्टी का चुनावी वादा पूरा करवाने में कामयाब रहे। हरियाणा विधानसभा ने 2020 में 'हरियाणा राज्य स्थानीय व्यक्ति रोजगार अधिनियम, 2020' करने के लिए विधेयक पारित किया। इसमें अड़चनें भी आईं, लेकिन दूर कर ली गई। पहले 50 हजार तक वेतन वाली नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण का निर्णय लिया था। स्थानीय कंपनियों व उद्यमियों की मांग और नाराजगी के बीच 50 की बजाय 30 हजार तक वेतन की नौकरियों में इस कानून को लागू करने की सहमति बनी। 15 जनवरी, 2021 से इसे राज्य में लागू करने का नोटिफिकेशन भी जारी हो गया। फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व अन्य ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सरकार के फैसले को चुनौती दी। दलील दी गई कि प्राइवेट सेक्टर में योग्यता और कौशल के आधार पर लोगों का चयन होता है। अगर सरकार के दबाव में नौकरियां दी गई तो वे अपना व्यापार नहीं कर सकेंगे। हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर रोक लगा दी। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए स्टे को हटा दिया। हालांकि अंतिम फैसला हाईकोर्ट पर ही छोड़ दिया। इस बीच, रोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति सरकार को दे दी। बहरहाल, मामला हाईकोर्ट में ही लंबित है और प्रदेश के युवाओं को इंतजार है कि कब 75 प्रतिशत आरक्षण के तहत उन्हें स्थानीय कंपनियों व उद्योगों में रोजगार मिलेंगे। प्रदेश की उन सभी प्राइवेट कंपनियों, उद्योगों, ट्रस्ट आदि में यह फैसला लागू होना है, जहां स्टॉफ की संख्या 10 से अधिक है। बेशक, इस तरह के कानून संविधान की मूल भावना के खिलाफ ही माने जा रहे हैं। चूंकि संविधान में सभी को बराबरी का हक दिया हुआ है। हरियाणा के अलावा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी इस तरह के कानून बने हुए हैं। विडंबना यह है कि इन राज्यों में या तो यह कानून सही से लागू नहीं हो पाया है या फिर कोर्ट–कचहरी के चक्कर में लटका हुआ है। बेशक, हरियाणा ने कोशिश की है कि कंपनियों पर फैसला थोपने की बजाय प्रदेश के युवाओं को इस योग्य बनाया जाए कि प्राइवेट सेक्टर के लोग उन्हें राजी–राजी अपने यहां रखें। इसके तहत युवाओं को स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के तहत ट्रेनिंग भी देने की व्यवस्था शुरू की गई। मार्केट में डिमांड के हिसाब से युवाओं को तैयार किया जा रहा है ताकि प्राइवेट सेक्टर में जाने के बाद वे मार न खाएं। हरियाणा को लेकर प्राइवेट सेक्टर के लोगों के अनुभव बहुत अच्छे नहीं हैं।

पूर्व में गुरुग्राम मारुति और होंडा सहित कई कंपनियों में बड़े विवाद हो चुके हैं। श्रमिकों के आंदोलन की वजह से कई दिन काम प्रभावित रहे हैं। शायद, ये विवाद भी प्राइवेट सेक्टर के लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध का कारण हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी राज्य के उद्योगपति और कंपनियों के मालिक स्थानीय युवाओं की बजाय दूसरे राज्यों के लोगों को नौकरियों में तवज्जो देते हैं। स्थानीय होने के चलते यूनियन भी जल्दी बनती हैं और प्रभावी भी रहती हैं। बहरहाल, हरियाणा की गठबंधन सरकार का यह 'सपना' अभी अधूरा है। झारखंड की सरकार भी नये साल से इसे अपने यहां लागू तो करने जा रही है, लेकिन कितनी कामयाब होगी, इस पर संशय ही बना रहेगा। स्थानीय युवाओं को रोजगार की शुरुआत सबसे पहले महाराष्ट्र में हुई थी। बाल ठाकरे के समय उठी मराठी मानुष की आवाज कारगर रही। हालांकि यह फैसला दूसरे राज्यों में नाराज़गी का कारण भी बना। धीरे–धीरे कई राज्य इसी दिशा में आगे बढ़े। जरूरत इस बात की है कि सरकार इस तरह के कानून बनाने की बजाय युवाओं को इस तरीके से तैयार करे कि प्राइवेट कंपनियों के पास उन्हें न चुनने के लिए कोई विकल्प ही न बचे।

विचार मंथन

रिमोट वोटिंग से मजबूत ही होगा हमारा लोकतंत्र

भारत में लोकतांत्रिक चुनावों में लोगों तक पहुंचने और समावेश का 70 वर्षीय इतिहास रहा है। चुनाव आयोग ने लाखों आंतरिक प्रवासियों के लिए रिमोट वोटिंग या दूर से ही मतदान करने देने की दिशा में अहम कदम उठाया है। 2011 की जनगणना के अनुसार, उनमें से लगभग 85 प्रतिशत लोग रोजगार, शिक्षा, विवाह या परिवार के स्थानांतरण के चलते अपने ही राज्य में गांवों से शहरों की ओर रहने चले जाते हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग का यह फैसला मतदाताओं के एक बड़े वर्ग की मांग पूरी करेगा। मल्टी–कंस्टीट्यूएंसी रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरवीएम) वर्षों की मेहनत से तैयार की गई है, जो अपने मतदान क्षेत्र से दूर रहने वाले मतदाताओं को मतदान में सक्षम बनाएगी। यह चुनाव आयोग के मुताबिक, प्रोटोटाइप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का संशोधित संस्करण है। किसी भी चुनाव से पहले, एक दूरस्थ मतदाता को अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) को सूचित करना पड़ेगा। मतदाता को सत्यापन के बाद दूर रहते हुए भी मतदान की सुविधा हासिल हो जाएगी। ऐसे मतदाता दूरस्थ बहु–निर्वाचन मतदान केंद्र पर आरवीएम का उपयोग कर मतदान कर सकेंगे। रिमोट मतदाता बैलेट यूनिट पर अपनी पसंद का प्रयोग करेंगे और मतदान रिमोट कंट्रोल यूनिट में राज्य कोड, निर्वाचन क्षेत्र और उम्मीदवार संख्या के साथ दर्ज हो जाएगा। हालांकि, सुधार की यह राह लंबी होगी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, चुनाव संचालन नियमों और निर्वाचकों के पंजीकरण नियमों में बदलाव करने पड़ेंगे। एक प्रवासी मतदाता, मतलब बाहर रहने वाले मतदाता को परिभाषित करना पड़ेगा। सामान्य निवास और अस्थायी निवास जैसी अवधारणाओं को ठीक से समझना होगा। इसी तरह, रिमोट वोटिंग के लिए एक स्पष्ट कानूनी परिभाषा और स्पष्टीकरण की जरूरत होगी कि एक निर्वाचन क्षेत्र, जिले या राज्य के बाहर कौन से स्थान इसके अंतर्गत आ सकते हैं। इसके अलावा, बाहर रहने वालों के आंकड़े और उनकी परिभाषा अस्पष्ट है, जबकि चुनावी पंजीकरण प्रादेशिक है और सामान्य निवास पर आधारित है। दूरदराज के मतदाताओं की सूची बनाने, विधिवत विशेष मतदान केंद्रों की स्थापना, दूरदराज के मतदाताओं की पहचान, विशिष्ट कर्मचारियों की तैनाती और इन स्थानों पर आदर्श आचार संहिता को लागू करने के लिए विस्तृत तैयारी की जरूरत पड़ेगी। रिमोट वोटिंग मतदान में सुधार करने में मदद कर सकती है, पर मतदाता भागीदारी के मुद्दे को हल नहीं करती है। शहरी नागरिकों की मतदान के प्रति उदासीनता और युवा वर्गों में अरुचि ने चुनाव–दर–चुनाव कड़वाहट पैदा कर दी है, और इसके लिए अलग व अधिक अनुकूल समाधानों की जरूरत पड़ेगी। भारत के आंतरिक प्रवासियों का 45 करोड़ का मजबूत समूह मतदान बढ़ाने में मदद कर सकता है। पिछले दो आम चुनावों (2014 और 2019) में क्रमशः 66.4 प्रतिशत और 67.4 प्रतिशत मतदान हुआ है, जो उसके पहले के लोकसभा चुनाव में 58 प्रतिशत की तुलना में नाटकीय वृद्धि थी। 30 करोड़ गायब मतदाताओं के बारे में प्रश्न और चिंता ने एक दशक पहले एक जागृति पैदा की थी, जब चुनाव आयोग भी चुनावी भागीदारी बढ़ाने को अपने एजेंडे के केंद्र में ले आया था। तब से स्त्रियों का मतदान बढ़ रहा है, जिन्होंने कई राज्यों में पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है। रिमोट वोटिंग में भी ऐसी ही गति बनाए रखने की जरूरत है। चुनाव प्रबंधकों के लिए कीवर्ड गोपनीयता, वोट की सुरक्षा और पारदर्शिता, तीन अवधारणाएं हैं, जो आरवीएम के इस्तेमाल में खास होंगी। ईवीएम को स्वीकार करने में ही हमें कई चरणों का समय लगा है और अब भी हारे हुए उम्मीदवार इस पर संदेह जता ही देते हैं, तो आरवीएम को भी आलोचना व संघर्ष से गुजरना होगा। 2023 में नौ राज्यों के चुनाव तय हैं। यह आरवीएम के परीक्षण का सही मौका है। उम्मीद है, 16 जनवरी को राजनीतिक दल राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि अपने मतदान क्षेत्र से दूर कहीं फंसे या मजबूर ऐसे मतदाताओं के बारे में सोचेंगे, जो मताधिकार से वंचित हो जाते हैं। एक मजबूत लोकतंत्र में सबकी हिस्सेदारी व अधिक से अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलना ही चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। साल के दूसरे कारोबारी दिन भी बाजार में बढ़त का माहौल रहा। पहले कारोबारी दिन भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। बाजार में यह तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही उपभोक्ता उत्पाद हेल्थकेयर फार्मा और आईटी इंडेक्स के साथ ही बीमा शेयरों में हुई खरीददारी से आई है। आज सुबह बाजार की शुरुआत मिली-जुली रही। सेंसेक्स 93 अंक नीचे आकर 61075 पर खुला जबकि निफ्टी 34 अंकों की बढ़त के साथ ही 18163 पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 126 अंक बढ़कर 61294 और निफ्टी 35 अंक ऊपर आकर 18232 पर बंद हुआ। वहीं बैंक निफ्टी 222 अंकों के उछाल के साथ ही 43425 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान उपभोक्ता उत्पाद हेल्थकेयर फार्मा और आईटी शेयरों में तेजी रही। इसके साथ ही बीमा कंपनियों के शेयरों में भी उछाल देखा गया। एचडीएफसी लाइफ मैक्स फाइनेंसियल आईसीआईसीआई पीआरयू आईसीआईसीआई लोंबार्ट 4 से 5 फीसदी तक ऊपर आये। आज सेंसेक्स के शीर्ष-30 में 17 शेयर बढ़त के साथ जबकि 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयरों में 2-2 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके अलावा टीसीएस टेक महिंद्रा और सन फार्मा के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। आज कारोबार के दौरान ऑटो उपभोक्ता क्षेत्र और धातु शेयरों पर दबाव दिखा। निफ्टी पर ये सभी इंडेक्स लाभ के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए जबकि एमएंडएम टाटा स्टील आरआईएल एचयूएल आईटीसी मारुती एनटीपीसी और इंफोसिस शामिल हैं। बाजार जानकारों के अनुसार आने वाले समय में कंपनी के शेयर बढ़ सकते हैं और निवेशकों को इससे लाभ हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया आठ पैसे टूटकर 82.86 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशों में भी डॉलर के मजबूत होने से रुपये में ये गिरावट आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह रुपया 82.69 के स्तर पर खुला पर बाद में यह 82.92 प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर पर पहुंचा और कारोबार के अंत में आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 82.86 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.78 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी या मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक एक फीसदी बढ़कर 104.55 पहुंच गया।

देश का इंटरनेट उद्योग 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर होगा

नई दिल्ली । इस साल भारतीय इंटरनेट उद्योग के बढ़ने की संभावना दिखाई दे रही है और इसके 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि 780 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का देश भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट उपयोगकर्ता है। एक मार्केट इंटेलिजेंस फर्म के आंकड़ों के मुताबिक चूंकि डिजिटल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा भारत का इंटरनेट जीएमवी (वैल्यूएशन नहीं) 2030 तक लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा जो सार्वजनिक और निजी मार्केट कैप में 5 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है। एक औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन पर बिताता है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑनलाइन मैसेजिंग सोशल मीडिया यूट्यूब स्ट्रीमिंग ओटीटी कंटेंट और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो में बिताया गया समय दिलचस्प है। ज्यादातर ऑनलाइन उपयोगकर्ता टियर 2 शहरों और उससे बड़े शहरों से आते हैं। डिजिटल उपयोग में भारी वृद्धि और टीयर 2 और शहरों से परे डिजिटल पैठ भारत के डिजिटल विज्ञापन पारिस्थितिकी तंत्र में वृद्धि के लिए प्राथमिक विकास चालक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे वीडियो कॉमर्स को अपनाने वाले टियर 2 और शहरों से बाहर के उपभोक्ताओं के तेजी से उच्च प्रवाह के साथ भारत में बिक्री बढ़ाने के बजाय डिजिटल विज्ञापन निवेश में भारी उछाल की संभावना है।

अंबानी और अडानी देश में एफएमसीजी सेक्टर में बढ़ा रहे हैं अपना कारोबार

- विदेशों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है टाटा ग्रुप

नई दिल्ली । एफएमसीजी सेक्टर में हाल में सभी बड़ी कंपनियों ने अपना विस्तार किया है। देश के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी और टाटा ग्रुप पहले से ही इस सेक्टर में हैं। हाल में मुकेश अंबानी ने भी इसमें प्रवेश किया है। उन्होंने इंडिपेंडेंस नाम से अपना ब्रांड लॉन्च किया है। अभी इसे अहमदाबाद में शुरू किया गया है लेकिन बाद में इसका पूरा देश में विस्तार किया जाएगा। अडानी ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर है जिसका पिछले साल आईपीओ आया था। अंबानी और अडानी ने ही हाल के दिनों में एफएमसीजी सेक्टर में कई ब्रांड्स का अधिग्रहण किया है। इस बीच टाटा ग्रुप विदेशों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। उसने दक्षिण अफ्रीका में एक कंपनी में 23.3 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है। इसके साथ ही कंपनी में टाटा ग्रुप की हिस्सेदारी 51.7 फीसदी से बढ़कर 75 फीसदी हो गई है। टाटा ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स ने अपनी स्टेप डाउन सहोगी कंपनी टाटा कंज्यूमर यूके ग्रुप के जरिए दक्षिण अफ्रीका की कंपनी जोकेल्स टी पेकर्स में 23.3 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह खरीदारी जॉइंट वेंचर में अपने भागीदार के जरिए खरीदी है। यह सौदा करीब 43.65 करोड़ रुपए में हुई। कंपनी में बाकी 25 फीसदी हिस्सेदारी जॉइंट वेंचर पार्टनर्स के पास है।

ऑर्डर्स बढ़ने पर खुद फूड डिलीवरी करने पहुंचे जोमैटो के सीईओ

नई दिल्ली । नए साल के दौरान जब जोमैटो पर फूड ऑर्डर्स की मांग बढ़ गई थी तो कंपनी की कमान खुद सीईओ दीपिंदर गोयल ने संभाल ली। 31 दिसंबर को जोमैटो कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल खुद फूड डिलीवरी करने पहुंचे और उन्होंने इसकी जानकारी खुद ट्वीट करके दी। 31 दिसंबर के दिन जब लोग पार्टी कर रहे थे तो काम में व्यस्त जोमैटो के सीईओ डिलीवरी ब्वॉय का जैकेट पहने खाने की डिलीवरी करने डोर टू डोर खाने का ऑर्डर लेकर पहुंच रहे थे। उन्होंने ट्विटर पर लिखा भी है कि काम से एक घंटे का ब्रेक लेकर वो फूड डिलीवरी करने पहुंच गए। उन्होंने डिलीवरी ब्वॉय वाली जैकेट पहनी हाथ में खाने का ऑर्डर लिया और डिलीवरी करने पहुंच गए। पहला ऑर्डर उन्हें गुरुग्राम स्थित जोमैटो के ऑफिस का ही मिला। इसके बाद उन्होंने 4 और डिलीवरी की। जिसमें एक फूड ऑर्डर एक बुजुर्ग दंपत्ति का था जो अपने पोता-पोती के साथ नए साल का जश्न मना रहे थे।

2023 में ग्राहकों को मोटा फायदा कमाके दे सकता हैं एलआईसी का शेयर

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम का शेयर नए साल में निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दे सकता है। साल 2023 के पहले दो कारोबारी सत्र में एलआईसी के शेयर में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है और आगे भी शेयर में तेजी जारी रहने की संभावना है। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार वित्त वर्ष 2022 में 37 प्रतिशत एपीई बाजार हिस्सेदारी के साथ एलआईसी ने अपना कवरेज शुरू कर दिया है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक इंडियन लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में कंपनी का दबदबा कायम है। गौरतलब है कि नकारात्मक सेकेंडरी मार्केट सेंटीमेंट के कारण एलआईसी के शेयर रियायती मूल्य पर खुले थे। हालांकि लंबी अवधि में यह शेयर मुनाफा करा सकता है। मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि आने वाले दिनों कंपनी के शेयर प्राइस बढ़ सकते हैं और निवेशकों को फायदा हो सकता है। ब्रोकरेज फर्म एलआईसी के शेयरों पर बुलिश हैं और शेयर को खरीदने की सलाह दी है। आने वाले दिनों कंपनी के शेयर प्राइस बढ़ सकते हैं और निवेशकों को फायदा हो सकता है। माना जा रहा है कि एक महीने में एलआईसी का शेयर 1000 रुपये पर जा सकता है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि कंपनी की स्ट्रैटजी लगातार बैंक इंश्योरेंस बिजनेस बढ़ाने की है। बैंक इंश्योरेंस मॉडल में बैंक और बीमा कंपनी मिलकर इंश्योरेंस प्रोडक्ट बेचते हैं। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार एलआईसी ने प्राइवेट पीयर्स को शेयर देने के बावजूद वित्त वर्ष 2022 में व्यक्तिगत एपीई में लगभग 37 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी बरकरार रखी है। इसकी विशाल एजेंसी फ्रेंचाइजी इसकी सफलता की आधारशिला बनी हुई है।

सैमसंग सीईएस 2023 में अपने मॉनिटर लाइनअप में नए मॉडल पेश करेगा

सोल । (एजेंसी)

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ने मंगलवार को अपने नए ओडिसी, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर लाइनअप का अनावरण किया, जिन्हें कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) 2023 में प्रदर्शित किया जाएगा।कंपनी ने एक बयान में कहा कि नए लाइनअप बेहतर इमेज क्वोलिटी और अपने मॉनिटर डिस्प्ले के माध्यम से काम करने, खेलने और रहने के इच्छुक उपयोगकर्ताओं के लिए कई इन्नोवेटिव फीचर्स प्रदान करेंगे। टेक दिग्गज अपने ओडिसी लाइनअप में दो मॉनिटर- ओडिसी नियो जी9 और ओडिसी ओएलईडी जी9 का प्रदर्शन करेगी। ओडिसी नियो जी9 एक डुअल अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (यूएचडी) गेमिंग मॉनिटर है जो गेमर्स को विस्तार के नए स्तर को एक अद्वितीय क्षेत्र के साथ देखने की अनुमति देगा।

यह एक स्क्रीन में 7,680ए-2,160 रिजॉल्यूशन और 32ः9 आस्पेक्ट रेशियो देता है और इसमें 1000आर कर्व्ड 57-इंच की स्क्रीन भी है जो क्वांटम मिनी एलईडी तकनीक का उपयोग करती है। इसके अलावा, ओडिसी नियो जी9 ए240 हर्ट्ज की रेफ्रेश रेट का समर्थन करता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष हुन चुंग ने कहा, हम अपने ओडिसी नियो जी9 के साथ गेमिंग मॉनिटर के भविष्य की शुरुआत कर रहे हैं, प्रत्येक गेम को नए पैमाने पर इन्नोवेटिव फीचर्स और पिक्चर की गुणवत्ता के साथ अधिक जीवंत बना रहे हैं। दूसरी ओर, ओडिसी ओएलईडी जी9 मॉनिटर में 32ः9 रेशियो के साथ डुअल क्वाड-एचडी 49-इंच 1800आर कर्व्ड डिस्प्ले है। टेक दिग्गज ने कहा, ओएलईडी स्क्रीन प्रत्येक पिक्सल को अलग से रोशन करती है और बैकलाइट पर निर्भर नहीं करती है, जिससे 1,000,000:1 डायनेमिक कंट्रास्ट रेशियो मिलता है जबकि वास्तविक आरजीबी जो ट्रू ब्लैक कलर फिल्टर के बिना होता है। व्यूफिनिटी लाइनअप में, सैमसंग व्यूफिनिटी एस9 मॉनिटर प्रदर्शित करेगा, जिसमें ग्राफिक डिजाइनर और फोटोग्राफर जैसे रचनात्मक पेशेवरों के लिए अनुकूलित 5के 27 इंच की स्क्रीन है। यह 5,120 गुणा 2,880 रिजॉल्यूशन प्रदान करता है और सटीक स्क्रीन कलर और ब्राइटनेस सुनिश्चित करने के लिए बिल्ट-इन कलर कैलिब्रेशन इंजन के साथ आता है। इसके अतिरिक्त, कंपनी एक स्मार्ट मॉनिटर एम8 मॉनिटर भी प्रदर्शित करेगी, जिसमें एक स्टाइलिश और स्लिम डिजाइन है और यह दोनों 4के रिजॉल्यूशन के साथ मौजूदा 32-इंच आकार के अलावा एक नए 27-इंच आकार में आता है। सैमसंग ने कहा, स्क्रीन अब 90 डिग्री पर घूम सकती है, जिससे यूजर्स को कम स्क्रॉलिंग के साथ लंबे डॉक्यूमेंट्स देखने में मदद मिलती है।

आईटी हार्डवेयर क्षेत्र की पीएलआई योजना बढ़कर 20000 करोड़ होगी!

- भारत में जल्द शुरू हो सकता है ऐपल के गैजेट का उत्पादन

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्र सरकार भारत में ऐपल का उत्पादन और बढ़े सरकार इसके लिए आईटी हार्डवेयर क्षेत्र को दी जाने वाली पीएलआई योजना को बढ़ाकर 20000 करोड़ रुपए कर सकती है। संभव है कि जल्द ही भारत में ऐपल के मैकबुक और आईपैड का निर्माण शुरू हो जाए। सूचना एवं प्रोद्योगिकी मंत्रालय के मुतो बिक हमने सफलता के साथ आईफोन का उत्पादन किया और ऐपल के सभी फॉक्सकॉन विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन अब भारत में अरबों डॉलर का उत्पादन कर रहे हैं। अगला कदम देश में मैकबुक और आईपैड समेत अन्य ऐपल उत्पादों का उत्पादन करना है। आईटी मंत्रालय ने पीएलआई योजना में राशि को और बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा है और फिलहाल ये वित्त व अन्य संबंधित मंत्रालयों के पास है। स्मार्टफोन के लिए पीएलआई स्कीम 2021 में लाई गई थी और 4 साल के अंतराल में 1-4 फीसदी के इन्सेंटिव का वादा किया गया था। हालांकि प्रस्तावित नई स्कीम इस सपोर्ट को बढ़ाकर 5 फीसदी करने की बात करती है। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अगर भारत में कंपनियों को मैन्युफैक्चरिंग के दौरान कुछ परेशानी आती है तो पुरानी स्कीम से उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि नई स्कीम में ज्यादा इन्सेंटिव और कुल राशि में बढ़ोतरी बेशक कंपनियों को भारत में मैन्चुफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि भारत की डिजिटल शक्ति प्रौद्योगिकी स्टार्टअप सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटिंग के जरिये वर्ष 2023 और अगले पांच वर्षों में बढ़ेगी। चंद्रशेखर की यह टिप्पणी पश्चिमी देशों में प्रतिकूल माहौल अमेरिका की बड़ी कंपनियों में नौकरियों में कटौती वैश्विक बाजार में उथल-पुथल और आईटी क्षेत्र में मंदी की चिंताओं के लिहाज से महत्वपूर्ण है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत की एक हजार अरब डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था की संकल्पना निर्विवाद है और पहुंच के भीतर है।

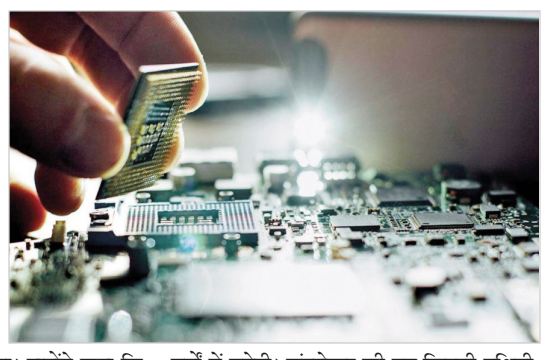

जोमैटो के को-फाउंडर पाटीदार ने भी दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन डिलीवरी करने वाली जोमैटो के को-फाउंडर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर गुंजन पाटीदार ने इस्तीफा दे दिया है। पिछले कुछ समय में कंपनी से कई बड़े अधिकारियों ने इस्तीफा देकर बाहर निकले हैं और गुंजन पाटीदार इसी कड़ी में नया नाम हैं। पाटीदार से कुछ सप्ताह पहले कंपनी के एक और को-फाउंडर मोहित गुप्ता ने भी इस्तीफा दिया था। कंपनी के न्यू इनीशिएटिव हेड और पूर्व फूड डिलीवरी चीफ राहुल गांजू और इसके इंटरसिटी लीजेड सर्विसेज के हेड सिद्धार्थ झवार ने भी हाल में कंपनी से इस्तीफा दिया है। पाटीदार जोमैटो की शुरुआती कुछ कर्मचारियों में शामिल थे और उन्होंने कंपनी के कोर टेक सिस्टम्स को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में बताया कि पिछले 10 से ज्यादा सालों में उन्होंने जोमैटो की टेक लीडरशिप टीम को भी खड़ा किया था। कंपनी ने बताया कि पाटीदार कंपनी के अहम मैनेजेरियल कर्मचारियों में नहीं शामिल थे। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक पाटीदार पिछले 14 सालों से जोमैटो के साथ जुड़े थे और वह उसके सबसे शुरुआती कर्मचारियों में से एक थे। उन्होंने अपना ग्रैजुएशन आईआईटी-दिल्ली से किया है जहां से जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने भी पढ़ाई की है।

क्रूड ऑयल डीजल व एएफटी पर बढ़ाया विंडफाल टैक्स

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अब केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड ऑयल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर विंडफाल टैक्स बढ़ा दिया है। सरकार ने 2 जनवरी को एक आदेश जारी करके यह जानकारी दी है। इसके तहत क्रूड ऑयल पर विंडफाल टैक्स बढ़ाकर 2100 रुपए (25.38 डॉलर) प्रति टन कर दिया गया है जो पहले 1700 रुपए था। इसके साथ ही डीजल पर एक्सपोर्ट टैक्स 5 रुपए से बढ़ाकर 7.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ पर विंडफाल टैक्स 1.5 रुपए से बढ़ाकर 4.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। यह आदेश मंगलवार से प्रभावी हो गया है। भारत दुनिया में तेल का सबसे बड़ा कंज्यूमर और आयातक है। हाल के दौर में भारत पश्चिमी देशों की तरफ लगाई 60 डॉलर की प्राइस कैप के नीचे ही रूस से क्रूड बैरल खरीद रहा है। भारत ने सबसे पहले 1 जुलाई को विंडफाल प्रॉफिट टैक्स लगाया था। इससे पहले कई अन्य देश एनर्जी कंपनियों को हो रहे सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर टैक्स लगा चुके थे। उस समय पेट्रोल और एटीएफ दोनों पर 6 रुपए प्रति लीटर (12 डॉलर प्रति बैरल) और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर (26 डॉलर प्रति बैरल) एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई गई थी। इसके अलावा घरेलू क्रूड पर 23250 रुपए प्रति टन का विंडफाल प्रॉफिट टैक्स लगाया गया था। सरकार विंडफाल टैक्स के लागू होने के बाद से लगभग हर दो सप्ताह में इसमें संशोधन कर रही है।

16 दिसंबर को घरेलू क्रूड ऑयल टैक्स घटा था

सरकार ने 16 दिसंबर को घरेलू स्तर पर निकाले जाने वाले क्रूड ऑयल पर विंडफाल टैक्स घटा दिया था और डीजल पर लेवी में भी कमी कर दी है। उस समय सरकार के स्वामित्व वाली ओएनजीसी जैसी क्रूड ऑयल उत्पादक कंपनियों पर लगने वाला टैक्स 4900 रुपए प्रति टन से घटकर 1700 रुपए प्रति टन कर दिया गया था। हर पखवाड़े में एक बार विंडफाल प्रॉफिट टैक्स में होने वाले संशोधन के तहत सरकार ने डीजल के एक्सपोर्ट पर टैक्स 8 रुपए से घटाकर 5 रुपए प्रति लीटर कर दिया था। इस लेवी में 1.5 रुपए प्रति लीटर के रूप में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस भी शामिल है।

दुबई में शाही परिवार ने पर्यटन को बढ़ावा देने शराब पर लाइसेंस फीस खत्म की

शराब पर 30 फीसदी टैक्स भी नहीं देना होगा

रमजान के महीने और कोविड लॉकडाउन में भी घर-घर पहुंचाई थी शराब

दुबई । (एजेंसी)

दुबई के शाही परिवार ने पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिहाज से शराब की बिक्री पर लगने वाले 30 फीसदी टैक्स और शराब का लाइसेंस लेने के लिए लगने वाली फीस दोनों को खत्म करने की घोषणा की है।

नए साल पर यह घोषणा दुबई की दो सरकारी शराब कंपनियों ने की है और यह सत्तारूढ़ अल मख्तूम परिवार के आदेश पर हुआ है। इस पर यूएई सरकार ने आधिकारिक ऐलान नहीं किया है और ना ही इससे जुड़े एक न्यूज एजेंसी के सवालों का जवाब दिया। गौरतलब है कि दुबई ने हाल में रमजान के महीने में दिन में शराब बेचने और कोविड लॉकडाउन के दौरान शराब की होम-डिलिवरी भी शुरू कर दी थी। दुबई को शराब की बिक्री से अभी तक राजस्व का बड़ा हिस्सा मिला करता था जो इस नए फैसले से मिलना बंद हो जाएगा। पास के क़तर में हाल ही में हुए फीफा विश्व कप के दौरान दुबई के कई बारों ने आने-जाने वाले फुटबॉल फैंस को आकर्षित किया। दुबई में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 21 साल दुबई के बारों में एक पिंट बियर की कीमत 10 डॉलर (827 रुपए) है और अन्य ड्रिंक्स की कीमत तो और भी ज्यादा है। हालांकि यह अभी साफ नहीं है कि हालिया शाही फैसले से शराब बेचने वाली कंपनियों की कीमतों में गिरावट आएगी या यह सिर्फ खुदरा विक्रेताओं को ही प्रभावित करेगा। दुबई कानून के तहत शराब पीने के लिए गैर-मुस्लिमों की उम्र 21 या उससे अधिक होनी चाहिए। वहीं शराब पीने के लिए लेना होता है प्लास्टिक कार्डः शराब पीने वालों को दुबई पुलिस द्वारा जारी प्लास्टिक कार्ड अपने साथ रखना होता है जो उन्हें बीयर शराब और शराब खरीदने परिवहन और पीने की अनुमति देता है।

अगर बिना प्लास्टिक कार्ड के किसी के पास से शराब बरामद होती है तो उन्हें फाइन या गिरफ्तारी का भी सामना करना पड़ सकता है।

वर्ष 2022 के आखिरी दिन दिल्ली में शराब की रेकॉर्ड 45 करोड़ की बिक्री

- शहर में एक दिन में शराब की 20 लाख बोतलें गटक गए लोग

नई दिल्ली । (एजेंसी)

पिछले साल 2022 के आखिरी दिन दिल्ली में शराब की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई। नए साल के मौके पर दिल्ली वाले 45 करोड़ रुपए की शराब गटक गए। इस तरह दिल्ली वालों ने एक ही दिन में शराब की 20 लाख बोतलें पी लीं। यह पिछले साल एक दिन में बिकी शराब की सबसे अधिक बोतलों के रूप में नया रिकॉर्ड बन गया। यहां तक कि दिवाली के अवसर पर भी एक दिन में शराब की सेल अधिकतम 19 लाख 42 हजार बोतलों को ही टच कर पाई थी लेकिन 31 दिसंबर की सेल ने यह सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। आबकारी विभाग ने बताया कि 31 दिसंबर को शराब की 20 लाख 30 हजार बोतलें बिकीं। बीते साल 30 दिसंबर को शराब की बिक्री का यह आंकड़ा 14 लाख 66 हजार बोतलों का था। अधिकारियों ने बताया कि इस साल दिसंबर के पूरे महीने में शराब की बिक्री में बढ़ोतरी हुई। 2022 के अक्टूबर में हर दिन औसतन 12 लाख 32 हजार बोतलें बेची गईं। जो नवंबर में बढ़कर हर दिन औसतन 13 लाख 12 हजार बोतल और दिसंबर में औसतन प्रति दिन शराब की करीब 14 लाख बोतलों के रूप में दर्ज की गईं। यही नहीं 2019 से साल 2022 तक दिसंबर में शराब की सबसे अधिक सेल बीते दिसंबर में ही रही। दिसंबर 2019 में हर दिन औसतन 12 लाख 55 हजार 2020 दिसंबर में 12 लाख 95 हजार 2021 में 12 लाख 52 हजार और दिसंबर 2022 में हर दिन औसतन 13 लाख 77 हजार शराब की बोतलों की बिक्री हुई। शराब की इस बिक्री से विभाग को भी दिसंबर में करीब 560 करोड़ रुपए का राजस्व मिला। आबकारी विभाग ने बताया कि केवल शराब की दुकानों से ही नहीं बल्कि दिल्ली के पब-बार रेस्टोरेंट्स और होटलों में भी जमकर जाम छलके। यह दौर 31 दिसंबर की शाम ढलते ही शुरू हो गया था जो देर रात तक जारी रहा।

देश का कॉफी निर्यात पिछले साल बढ़कर चार लाख टन हुआ

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश का कॉफी निर्यात पिछल साल 2022 में 1.66 प्रतिशत बढ़कर चार लाख टन पहुंच गया है। कॉफी बोर्ड ने यह जानकारी दी। भारत कॉफी का एशिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है। वर्ष 2021 में यह निर्यात 3.93 लाख टन रहा था। मूल्य के लिहाज से कॉफी का निर्यात पिछले साल के 6984.67 करोड़ रुपए के मुकाबले वर्ष 2022 में बढ़कर 8762.47 करोड़ रुपए का हो गया। भारत इंस्टेंट कॉफी के अलावा रोबस्टा और अरेबिका दोनों किस्मों का निर्यात करता है। बोर्ड के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार रोबस्टा कॉफी का निर्यात पिछले वर्ष के 220997 टन से मामूली रूप से घटकर वर्ष 2022 में 220974 टन रह गया। इसी तरह अरेबिका कॉफी किस्म का निर्यात भी 50292 टन से 11.43 प्रतिशत घटकर 44542 टन रह गया। हालांकि इंस्टेंट कॉफी का निर्यात वर्ष 2022 में 16.73 प्रतिशत बढ़कर 35810 टन हो गया जो पिछले वर्ष 29819 टन था। आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2022 में लगभग 99513 टन कॉफी का पुनः निर्यात किया गया था जो पिछले वर्ष के 92235 टन से अधिक था। इटली जर्मनी और रूस भारतीय कॉफी के प्रमुख निर्यात गंतव्य हैं। फसल वर्ष 2022-23 अक्टूबर-सितंबर में कॉफी उत्पादन 393400 टन रहने का अनुमान है जबकि पिछले साल 342000 टन का उत्पादन हुआ था।

चेतन का फिर चयन समिति का प्रमुख बनना तय

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम की चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा एक बार फिर इसी पद को संभाल सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चेतन को फिर से अध्यक्ष बनाना चाहती है। इससे पहले बीसीसीआई ने टी20 विश्वकप में टीम की हार के बाद चेतन की अध्यक्षता वाली समिति को बर्खास्त कर दिया था। उसके बाद बोर्ड ने चयन समिति के लिए आवेदन मांगे थे। उसी को देखते हुए चेतन ने भी आवेदन किया था। श्रीलंका के खिलाफ टीम चयन भी उन्हीं की अध्यक्षता में अंतरिम समिति ने किया है। अब माना जा रहा है कि वे ही चयन समित उन्े होंने अपने करियर में 23 टेस्ट और 65 एकदिवसीय मैच खेले। टेस्ट में 61 और एकदिवसीय प्रारुप में 67 विकेट लेने वाले चेतन के नाम फर्स्े ट के लास क्रिकेट में 433 विकेट दर्ज हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद वह कमेंटेटर भी रहे। उनके नाम आईसीसी विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बनने का रिकार्ड भी है। उन्े होंने यह उपलब्धि 31 अक्े टूबर 1987 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नागपुर में हासिल की थी।

डेरारा हुरिसा 2023 टाटा मुंबई मैराथन में अपने ताज का बचाव करेंगे

(एजेंसी)

इथियोपिया के डेरारा हुरिसा 15 जनवरी, 2023 को मुंबई में आयोजित होने वाले एशिया के सबसे प्रतिष्ठित-टाटा मुंबई मैराथन में अपने खिताब की रक्षा करने के लिए कुछ बेहतरीन एलीट पुरुष धावकों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस रेस में हिस्सा लेने वाले पुरुषों में दर्जन भर का व्यक्तिगत श्रेष्ठ समय 2020 में कायम 2:08:09 घंटे के कोर्स रिकॉर्ड से बेहतर है। 405,000 अमेरिकी डालर इनामी राशि वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस का 18वां संस्करण महामारी के कारण दो साल के ब्रेक के बाद आयोजित हो रहा है। इसकी बहुप्रतीक्षित वापसी पर छह श्रेणियों में 55,000 से अधिक एमेच्योर धावक भी मुंबई की सड़कों पर दौड़ते दिखाई देंगे। एलीट पुरुष और महिला विजेताओं में से प्रत्येक को 45,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार मिलेगा। इसके अलावा धावकों को कोर्स रिकार्ड बोनस के तौर पर अतिरिक्त 15,000 अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे। साल 2021 में मेक्सिको में आयोजित गुआडलाजरा मैराथन को 2:12:28 घंटे समय में जीतने वाले हुरिसा ने कहा, मैं चुनौती के लिए तैयार हूं और मेरी नजर खिताब पर है। पुरुष वर्ग में हुरिसा के अलावा उनके हमवतन आइले एब्शेरो और हेले लेमी करे के साथ-साथ केन्या के फिलेमोन रोनो भी हैं, जो दिग्गज एलियुड किपचोगे के साथ अभ्यास करते हैं। एब्शेरो 2020 में एआईएमएस-प्रमाणित कोर्स पर हुरिसा से 11 सेकंड पीछे रहते हुए उपविजेता रहे थे। इस कोर्स को काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। ऑस्ट्रिया में 2022 लिंज मैराथन में 2:09:37 घंटे समय के साथ 10वां स्थान हासिल करने वाले एब्शेरो का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 2:04:23 घंटा है, जो उन्हें फील्ड में सबसे तेज धावक बनाता है। 2:04:33 घंटे के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ, लेमी इस समूह में दूसरे सबसे तेज धावक हैं। 2016 में बोस्टन मैराथन और 2015 में दुबई मैराथन सहित सात मैराथन के विजेता लेमी ने कहा,मैं टाटा मुंबई मैराथन में डेब्यू को लेकर उत्साहित हूं। मैंने सुना है कि यह एक कठिन कोर्स है। लेमी साल 2021 में आयोजित बोस्टन मैराथन के उपविजेता रहे थे। रोनो ने 2019 बोस्टन मैराथन में प्रभावशाली रूप से छठा स्थान हासिल किया और उसी वर्ष 2:05:00 घंटे में टोरंटो मैराथन जीता था। उन्होंने 2021 अबु धाबी मैराथन और 2022 सोल

मैराथन में छठा स्थान हासिल किया था।

बुमराह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल

मुम्बई (एजेंसी)

टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट हो गये हैं और उनकी एकदिवसीय मुकाबलों के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। बुमराह को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बुमराह के फिट होने से टीम प्रबंधन को राहत मिली है क्योंकि अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के मुकाबले होने हैं। बुमराह काफी समय से चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे। बीसीसीआई ने एक मीडिया रिलीज जारी करते हुए कहा है कि चयन समिति ने बुमराह को श्रीलंका के खिलाफ आगामी 3 मैचों की

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह दी है।

एकदिवसीय टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान) शुभमन गिल विराट कोहली सूर्यकुमार यादव श्रेयस अय्यर केएल राहुल (विकेटकीपर) ईशान किशन (विकेटकीपर) हार्दिक पांड्या (उपकप्तान) वाशिंगटन सुंदर युजवेंद्र चहल कुलदीप यादव अक्षर पटेल जसप्रीत बुमराह मोहम्मद शमी मोहम्मद सिराज उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह।

राडुकानू को ऑकलैंड में 2023 की अपनी पहली एकल जीत मिली

(एजेंसी)

एम्मा राडुकानू ने मंगलवार को यहां एएसबी क्लासिक के शुरूआती दौर में चेक गणराज्य की उभरती हुई स्टार लिंडा फ्रुहवर्तोवा पर जीत के साथ 2023 की विजयी शुरूआत की। राडुकानू ने एएसबी टेनिस सेंटर में बारिश से प्रभावित मैच में 4-6, 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। ब्रिटिश खिलाड़ी ने पहला सेट 17 वर्षीय चेक खिलाड़ी के हाथों गंवा दिया था, लेकिन उन्होंने लय बदलने के बाद लगातार चार गेम जीते और मैच अपने नाम कर लिया। राउंड-16 में उनका सामना स्लोवाक की विक्टोरिया कुजमोवा से होगा। 20 वर्षीय राडुकानू को 2022 में डब्ल्यूटीए टूर पर एक कठिन सीजन का सामना करना पड़ा क्योंकि पूर्व यूएस ओपन चैंपियन ने कलाई की चोट के साथ अक्टूबर की शुरूआत में अपने 2022 अभियान समाप्त कर लिया था। राउंड-16 में उनका सामना स्लोवाक की विक्टोरिया कुजमोवा से होगा।

रोहित और विराट सहित दो-तीन खिलाड़ियों से नहीं जीत सकते विश्वकप : कपिल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि आगामी एकदिवसीय विश्वकप रोहित शर्मा विराट कोहली के भरोसे नहीं जीता जा सकता है। कपिल ने कहा है दो या तीन खिलाड़ी विश्वकप में जीत नहीं दिला सकते। इसके लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा और ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना होगा जो इनकी जगह ले सकें। कपिल ने एक कार्यक्रम में कहा आप विराट रोहित या दो-तीन खिलाड़ियों पर भरोसा करेंगे कि वो हमें विश्व कप जिताएंगे तो ऐसा नहीं होगा। जीत के लिए आपको अपनी टीम पर भरोसा होना चाहिए। क्या हमारी टीम ऐसी है? क्या हमारे पास मैच विजेता खिलाड़ी हैं? हां बिलकुल हैं। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो विश्व कप जीत सकते हैं। पहली बार टीम को विश्वकप जिताने वाले कपिल ने कहा अगर आपको विश्व कप जीतना है तो कोच चयनकर्ता और टीम प्रबंधन को कड़े फैसले लेने होंगे। निजी हित को पीछे रखकर उन्हें टीम के बारे में सोचना होगा। साथ ही कहा कि विराट और रोहित तीस से अधिक उम्र के हो रहे हैं और यह उनका अंतिम विश्वकप हो सकता है। इस महान ऑलराउंडर ने कहा सबसे अच्छी बात है कि विश्व कप भारत में होने वाला है। हमसे बेहतर यहां के हालातों को कोई और नहीं जान सकता है। पिछले 8 से 10 साल में रोहित और विराट भारत के दो

सबसे अहम क्रिकेटर रहे हैं। कई लोग सवाल करने लगे हैं कि क्या यह विराट-रोहित का आखिरी विश्व कप होगा। मेरा मानना है कि वो खेल सकते हैं पर उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगीहै। उन्होंने हा फिटनेस इसमें प्रमूख भूमिका निभाएगी। आजकल कई युवा आ रहे हैं और बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या रोहित-विराट उनसे प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे? यह भी एक सवाल है। यह भी निर्भर करेगा कि वो अपना खेल कैसे खेल रहे हैं। क्षमता की यहां कोई कमी नहीं है।

कपिल ने युवाओं से कहा कि वे सीनियर खिलाड़ियों के नहीं होने पर मिल रहे अवसरों का पूरा लाभ उठाएं।

संक्षिप्त समाचार

सबसे तेज गेंदबाजी का विश्व रिकार्ड तोड़ने पर ध्यान नहीं : उमरान

मुम्बई । टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने कहा है कि अगर उन्हें किस्मत का साथ मिला तो सबसे तेज गेंदबाजी का विश्व रिकार्ड भी तोड़ देंगे पर उनका ध्यान इसके बारे में नहीं बल्कि बेहतर प्रदर्शन पर है। अभी क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज गेंद फेंकने का विश्व रिकार्ड पाक तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के नाम है। अख्तर ने साल 2002 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 161.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। इसी के साथ ही शोएब ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज गेंदबाजी का रिकॉर्ड बनाया था। उनके इस रिकार्ड को अभी तक कोई गेंदबाजी नहीं तोड़ पाया है। उमरान की तुलना हमेशा अख्तर से की जाती है। वहीं उमरान से जब अख्तर के सबसे तेज गेंद फेंकने के रिकॉर्ड को तोड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी उनका ध्यान देश के लिए बेहतर प्रदर्शन पर लगा हुआ है। साथ ही कहा कि अगर मैं अच्छा करता हूं और अगर मैं भाग्यशाली हूं तो मैं इसे तोड़ दूंगा पर मैं इसके बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचता क्योंकि मैच के दौरान आपको पता ही नहीं चलता कि आपने कितनी तेज गेंदबाजी की। खेल के बाद जब हम वापस आते हैं तभी हमें पता चलता है कि मैं कितना तेज था। मैच के दौरान मेरा पूरा ध्यान सही लाइन में गेंदबाजी करने और विकेट लेने पर होता है। अब तक के अपने करियर में उमरान ने पांच एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों में सात और दो विकेट लिए हैं।

सूर्यकुमार को शीघ्र ही टेस्ट में भी अवसर मिलेगा : पंड्या

मुंबई । श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम के कप्तान बने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा है कि सूर्यकुमार यादव को शीघ्र ही टेस्ट प्रारुप में भी अवसर मिलेगा। पंड्या ने कहा कि सूर्या तीनों ही प्रारुपों के लिए योग्य हैं। सूर्यकुमार ने भी कुछ समय पहले टेस्ट क्रिकेट खेलने का इरादा जाहिर करते हुए कहा था कि वह देश के लिए लाल गेंद से क्रिकेट खेलने का सपना देखते रहे है। सूर्यकुमार ने इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया है। मुंबई के इस बल्लेबाज ने करीब तीन साल के बाद पिछले महीने रणजी ट्रॉफी में वापसी करते हुए 80 गेंदों पर 90 रन की शानदार पारी खेली थी। इसी को लेकर पंड्या ने कहा कि सूर्यकुमार में मैच का रुख बदलने की क्षमता है और वह टीम प्रबंधन के लिए सबसे अहम खिलाड़ी हैं। पंड्या ने कहा 'मैंने सूर्या के लिए पहले भी कहा है कि उसे देर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर मिला जबकि मैं हमेशा चाहता था कि वह साल 2020 में ही भारतीय टीम का हिस्सा बने। . उसने उन चीजों को अब हासिल किया जो उसे पहले मिल जानी थी। उन्होंने कहा कि मैं इसके लिए उसे केवल शुभकामनाएं दे सकता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भारतीय टीम के लिए अपनी दावेदारी जारी रखेगा और ज्यादा से ज्यादा रन बनाकर आगे बढ़ेगा। मेरे और टीम के लिए सूर्या शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि सूर्या सभी प्रारुपों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और मुझे टेस्ट में उसकी सफलता पर कोई संदेह नहीं है। वह कभी भी खेल के रुख को बदलने की क्षमता रखता है। मुझे भरोसा है कि चयनकर्ताओं की नजरें उस पर होंगी।

पिछले एक दशक से जनवरी में हुए मैचों में टीम इंडिया का रहा है खराब रिकार्ड

नई दिल्ली । (एजेंसी)

टीम इंडिया और श्रीलंका के बीच आज से तीन मैचों की टी20 सीरीज शुरु हो रही है। टीम इंडिया इस सीरीज को जीतने के इरादे से उतरेगी पर अगर आंकड़ों पर गौर करें तो ऐसा करना टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में

भारतीय टीम को नए साल के अवसर पर 10 मैच खेलने को मिले जिसमें उसे केवल एक में ही जीत मिल पाई जबकि 5 मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी। तीन मैच ड्रॉ रहे हैं जबकि एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकला। साल 2013 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ साल की शुरुआत की थी। तब ईडन गार्डंस में खेले गए सीरीज के दूसरे एकदिवसीय में पाक की टीम ने भारत को 85 रन से हराया था। वहीं 19 जनवरी 2014 को न्यूजीलैंड ने नेपियर एकदिवसीय में भारतीय टीम को 24 रनों से हराया था। इसके अलावा जनवरी 2015 की शुरुआत में खेला गया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच बराबरी पर रहा था। जनवरी 2016 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला हुआ। इस सीरीज का पहला एकदिवसीय मैच ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट से जीता था। वहीं जनवरी 2017 को भारत और इंग्लैंड की टीमें पुणे में सीरीज के पहले एकदिवसीय में आमने-

सामने आईं थीं तब भारतीय टीम को 3 विकेट से जीत मिली थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जनवरी 2018 में पहला टेस्ट मैच खेला गया जिसमें दक्षिण अफ्रीका जीती थी।

इसके बाद जनवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गया एक टेस्ट ड्रॉ रहा था जबकि श्रीलंका के खिलाफ जनवरी 2020 में खेले गये टी20 का भी परिणाम नहीं निकला था।

जनवरी 2021 में भारत और ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट ड्रॉ रहा। पिछले साल जनवरी में खेला गया टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 7 विकेट से जीता था। इस साल भारतीय टीम एकदिवसीय विश्व कप और एशिया कप के मुकाबलों को छोड़कर कुल 43 मैच खेलेगी।

सचिन के सुझावों से मिला लाभ : अय्यर

नई दिल्ली । टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर मध्य क्रम में अहम जिम्मेदारी निभाते हैं। पिछले कुछ समय के अंदर ही अय्यर ने अपने प्रदर्शन से टीम में एक अहम स्थान बनाया है। इसी को लेकर इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कुछ सुझाव दिये थे जिनका उन्हें लाभ मिला है। अय्यर ने कहा कि जब उन्होंने तेंदुलकर से पूछा कि क्या उन्हें अपनी तकनीक बदलने की जरूरत है तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने दिल की सुनने और जो कुछ भी करने में सहज महसूस करते हैं करने को कहा। अय्यर ने कहा तब मैं 14 साल का था और सचिन सर हमें एक टूर्नामेंट के लिए प्रेरणा देने के लिए बीकेसी आए थे। यह पहली बार था जब मैं उनसे मिला था और रणजी ट्रॉफी के फाइनल में आमने-सामने की बातचीत हुई थी। हमारे बीच थोड़ी बातचीत हुई थी और मैंने उनसे तकनीक और रुख के बारे में पूछा जो मैचों के दौरान बदलता रहता है। मैंने उनसे पूछा मुझे क्या करना चाहिए? उन्होंने कहा कि देख श्रेयस जो आपको उस दिन के लिए सही लगता है वह सही है। उन्होंने कहा सचिन सर क्रिकेट के प्रति इतने जुनूनी हैं। वह केवल बोलते रहेंगे वह आपको बहुत सारी टिप्स देंगे। उन्होंने कहा कि उस दिन जो भी आप सहज महसूस करते हैं वह करें। अय्यर साल 2022 में एशिया कप और टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाये हालांकि वह सभी प्रारूपों में 2022 में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 39 मैचों में एक शतक और 14 अर्धशतक सहित 1609 रन बनाए। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है।

गांगुली फिर बनेंगे दिल्ली कैपिटल्स के निदेशक

मुम्बई । पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली अब एक बार फिर दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक के रूप में काम संभालेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली कैपिटल्स में वापसी करने जा रहे हैं पर कब तक ऐसा होगा। यह कहा नहीं जा सकता। गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष बनने से पहले आईपीएल 2019 में सलाहकार के रूप में कैपिटल्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे। गांगुली की इस साल से दिल्ली कैपिटल्स में वापस को लेकर औपचारिक बातें हुई हैं। उन्होंने पहले भी फ्रैंचाइज़ी के साथ काम किया है। ऐसे में टीम मालिकों के साथ उनका अच्छा तालमेल रहा है। वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सहारा पुणे वारियर्स के कप्तान भी रहे हैं। गांगुली पिछले साल अक्टूबर में बोर्ड अध्यक्ष के रूप में अपनी शर्तों के समाप्त होने के बाद से ही बोर्ड से बाहर हैं।

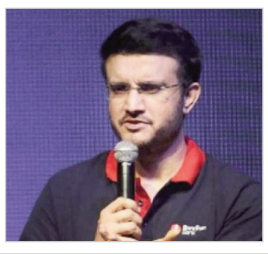

युनाइटेड कप

गार्सिया ने मार्टिच पर जीत से फ्रांस की उम्मीदों को जिंदा रखा

(एजेंसी)

डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन कैरोलिन गार्सिया ने मंगलवार को यहां सिटी फाइनल्स में फ्रांस की आगे बढ़ने की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए पेट्रा मार्टिच को 7-6 (9), 6-4 से हराया। क्रोएशिया ने डोना वेकिच और बोर्ना कॉरिच की जीत के बाद रातों-रात 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन गार्सिया मार्टिच के खिलाफ 4-1 के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ इस मुकाबले में उतरीं। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन ने इस बढ़त को इस जीत के साथ 5-1 पहुंचा दिया। उन्होंने मार्टिच को अपनी टीम के लिए मुकाबले का यहीं फैसला करने का मौका नहीं दिया । टूर पर दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच पहला सेट बहुत करीब रहा। पहले 12 गेमों के माध्यम से, यह मार्टिच थीं, जिसने वापसी पर अधिक मौके बनाए, अपने बैकहैंड का शानदार इस्तेमाल किया। गार्सिया को पहले और नौवें गेम में ब्रेकप्वाइंट बचाने के लिए अपनी बेहतरीन सर्विस की जरूरत थी। इसके विपरीत, दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद, मार्टिच ने पहले 12 गेमों में अपनी डिलीवरी से केवल चार अंक दिए थे। पहले सेट का फैसला टाई ब्रेक से हुआ। टाई-ब्रेक पूरे मैच का एक रोमांचक पल था। जोड़ी के बीच जबरदस्त टक्कर देखी गई जिसे गार्सिया ने 11-9 से जीता। गार्सिया को अभी भी दूसरे सेट की शुरूआत में दो और ब्रेक प्वाइंट बचाने थे, लेकिन वह उसके लिए खतरे का आखिरी क्षण था। अगले गेम में, उन्होंने मार्टिच की शून्य पर सर्विस तोड़कर उसे चारों खाने चित कर दिया। पहले सेट का फैसला टाई ब्रेक से हुआ। टाई-ब्रेक पूरे मैच का एक रोमांचक पल था। जोड़ी के बीच जबरदस्त टक्कर देखी गई जिसे गार्सिया ने 11-9 से जीता।

135 से कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाजों को टीम में जगह नहीं मिलेगी: अफरीदी

रिजवान और आजम की बढ़ेगी मुश्किलें

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अंतरिम मुख्य चयनकर्ता का पद संभालने के बाद से ही शाहिद अफरीदी कठोर फैसले लेते जा रहे हैं। पहले उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को टेस्ट टीम से बाहर कर सरफराज अहमद को शामिल किया। वहीं अब अफरीदी ने कहा है कि 135 से कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाजों को राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलेगी। पाक टीम शुरुआत से ही बल्लेबाजी में कमजोर रही है। ऐसे में अपने बल्लेबाजी के रवैये को ठीक करने के लिए अफरीदी ने एक नई योजना बनायी है। अफरीदी ने कहा पाक के लिए टी20 टीम में कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं चुना जाएगा जिसका घरेलू क्रिकेट में स्ट्राइक रेट 135 से कम हो। अफरीदी के इस बयान से खेल के सबसे छोटे प्रारूप में पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के स्ट्राइक रेट को लेकर चल रही बहस और आगे बढ़ गयी है। यह दोनों बल्लेबाज टी20 में सलामी बल्लेबाज के रूप में शानदार रहे हैं पर इनका स्ट्राइक रेट कम रहा है। अब देखना है कि इन्हें किस प्रकार टीम में बनाये रखा जाएगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि कीवी टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पिच पिछले टेस्ट की तुलना में काफी बेहतर थी। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी भी सुधार की जरुरत है खासकर देश में स्थानों पर उछाल के संबंध में। उन्होंने कहा मैं दूसरे टेस्ट के लिए तैयार की गई पिच से संतुष्ट नहीं हूं। मैं पिच में और उछाल चाहता हूं हालांकि यह पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट के लिए पहले तैयार की गई पिचों से बेहतर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं–

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

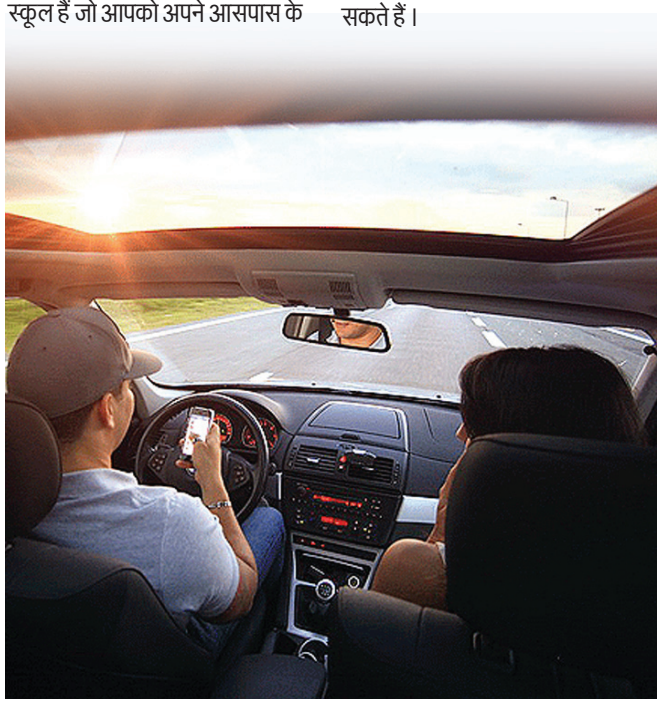

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं–

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी– एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं – लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं – राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25–25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200–20200 रूपए प्रतिमाह पे–ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं ? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है ? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें ? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8 :00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

पाकिस्तान में मकान की छत गिरने से छह लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक मकान की छत ढह जाने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना प्रांत के बाजौर इलाके की है। पुलिस ने बताया कि छत ढहने की घटना में पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई वहीं कई लोग घायल भी हुए। शवों को मलबे में से निकाल लिया गया है और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रांत के राज्यपाल हाजी गुलाम अली और मुख्यमंत्री महमूद खान ने घटना पर दुख व्यक्त किया है।

सेनेगल की संसद में महिला गर्भवती सांसद के पेट पर मारी गई लात

दकार। पश्चिमी अफ्रीका देश सेनेगल की संसद में एक दिसंबर 2022 को जमकर हिंसा हुई थी। यह हिंसा इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि यहां सांसदों ने अपनी महिला साथी के पेट पर लात मारी दी। वह महिला सांसद गर्भवती थीं और हिंसा में बेहोश हो गईं। जिस दौरान हिंसा हुई उस समय संसद में बजट पर बहस हो रही थी। यह बहस कब हिंसा में बदल गई किसी को भी पता नहीं लगा। जिन दो सांसदों ने अपनी साथी की पेट पर लात मारी है उन?हें छह महीने के लिए जेल में डाल दिया गया है। जिस समय घटना हुई थी उस समय नदिये को थप्पड़ मारे जाने की बातें सामने आई थीं। जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें साफ नजर आ रहा है कि सांब किस तरह से नदिये की तरफ बढ़ते हैं। 1 दिसंबर को बजट पर जारी बहस के दौरान ही नदिये को थप्पड़ मार दिया जाता है। इसके बाद नदिये प्रतिक्रिया में एक कुर्सी फेंकती हैं। लेकिन इस बार उनके पेट पर लात मारी जाती है। इसके बाद स्थिति अनियंत्रित हो जाती है और बाकी सांसद इस संभालने की कोशिशें करते हैं। नदिये सत्ताधारी बेनो बोक याकर गठबंधन की सांसद हैं। इस घटना के बाद वह संसद में ही बेहोश हो गईं और आशंका जताई गई कि शायद उनका बच्चा गर्भ में ही मर गया है।

बुर्किना फासो के सैन्य शासन ने फांस के राजदूत को निष्कासित किया

डकार। बुर्किना फासो के सैन्य शासन ने फ्रांस के राजदूत को निष्कासित कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में फ्रांस विरोधी भावनाएं बढ़ रही हैं और देश का झुकाव रूस से मजबूत संबंध बनाने की ओर है। सरकार के प्रवक्ता ज्यां इमैनुएल ओउड्रागो ने पुष्टि की कि फ्रांस के राजदूत ल्यूस हैलादे को देश से जाने के लिए कहा गया है। प्रवक्ता ने इस संबंध में और कोई जानकारी नहीं दी। वहीं फ्रांस के दूतावास ने इस संबंध में कुछ भी बताने से इनकार किया। हैलादे के निष्कासन से करीब दो सप्ताह पहले संयुक्त राष्ट्र के मानवीय अभियानों की समन्वयक बारबरा मेंजी को भी देश से जाने के आदेश दिए गए थे। गौरतलब है कि देश अलकायदा और इस्लामिक स्टेट की आतंकी गतिविधियों की गिरफ्त में है और इनसे जुड़ी हिंसा में हजारों की संख्या में लोग मारे जा चुके हैं तथा कम से कम 20 लाख लोग विस्थापित हुए है। वर्तमान सैन्य शासन ने पिछले वर्ष तत्कालीन सरकार का तख्तापलट किया था और दावा किया था वह हिंसा रोकने में नाकाम रही है। नए सैन्य शासक कैप्टन इब्राहिम टीराओरे के सितंबर में शासन संभालने के बाद से ही देश में फ्रांस विरोधी भावनाएं बढ़ी है। कैप्टन कई मौकों पर अन्य देशों, खास तौर पर रूस के साथ काम करने की बात कह चुके हैं।

बाइडेन ने कहा– दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त परमाणु अभ्यास पर चर्चा नहीं कर रहा है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त परमाणु अभ्यास पर चर्चा नहीं कर रहा है। बाइडन ने एक साक्षात्कार में दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त परमाणु अभ्यास पर चर्चा करने से जुड़े सवाल पर मीडिया से यह बात कही। बाइडन नववर्ष की छुट्टियां मनाकर सोमवार रात ही व्हाइट हाउस पहुंचे हैं। बाइडन ने यह जवाब देकर अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष यून सुक येओल के प्रस्ताव को एक प्रकार से खारिज कर दिया। यून ने समाचारपत्र 'द चोसुन इल्बो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि परमाणु हथियार अमेरिका के हैं लेकिन योजना सूचना साझाकरण अभ्यास और प्रशिक्षण दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से किए जाने चाहिए।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मुश्किलें बढ़ीं चीन से सम्पर्क का मामला आया सामने

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। हालिया हुए खुलासे बेहद ही चौंकाने वाले हैं। पूर्व राष्ट्रपति का चीन में भी बैंक खाता खुला था। इसके अलावा ट्रंप के फेडरल टैक्स रिटर्न पर भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद इस रिपोर्ट को सार्वजनिक की गई है। इससे पता चला कि ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते हुए पहले और आखिरी साल में सबसे कम टैक्स भरा है। चीन में बैंक खाता होने के बारे में 2020 के राष्ट्रपति पद की बहस के दौरान कई महाद्वीपों पर व्यापारिक हितों के साथ लंबे समय तक रियल एस्टेट और मीडिया मुगल से पूछा गया था। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस के लिए अपना 2016 का अभियान शुरू करने से पहले उन्होंने इसे बंद कर दिया था। बहस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि बैंक खाता 2013 में था। मेरा मानना है कि यह 2015 में बंद हो गया था। टैक्स रिटर्न। हालांकि उस खाते का खंडन करता है। ट्रम्प ने 2015 2016 और 2017 के अपने टैक्स रिटर्न में चीन में एक बैंक खाते की सूचना दी। रिटर्न अन्य विदेशी देशों में यूनाइटेड किंगडम दक्षिणी आयरलैंड और सेंट मार्टिन के कैरेबियाई द्वीप राष्ट्र सहित वर्षों में खाते दिखाते हैं। 2018 तक ट्रम्प ने अपने प्रमुख गोल्फ संपत्तियों में से एक यूके में एक के अलावा अपने सभी विदेशी खातों को स्पष्ट रूप से बंद कर दिया था। अपने राष्ट्रपति पद के अंतिम वर्ष में ट्रम्प ने कोई धर्मार्थ दान नहीं करने की सूचना दी। उन्होंने 2016 में 1.1 मिलियन डॉलर और 2017 में 1.8 मिलियन डॉलर दान करने की सूचना दी।

कंगाल पाकिस्तान को दोस्त चीन फिर ठगा मेड इन चाइना बोगियां चलने लायक नहीं

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान की रेलवे भी कंगाली के दौर से गुजर रही हैं रेलवे को चलाने के लिए पाकिस्तानी सरकार के पास पैसा नहीं है। इस गंभीर आर्थिक संकट में अब पाकिस्तान को उसके दोस्त चीन ने भी बड़ा धोखा दे दिया है। पाकिस्तान रेलवे ने चीन से 14 करोड़ 90 लाख डॉलर की बोगियों का आयात किया था ताकि उन्हें पाकिस्तान में दौड़ाया जा सके। ये बोगियां पाकिस्तानी रेलवे ट्रैक पर चल ही नहीं पा रही हैं जिससे उनकी क्षमता और गुणवत्ता पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है।

यही नहीं पाकिस्तान रेलवे के उन अधिकारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं जिन्होंने चीन जाकर इन बोगियों की जांच कर उन्हें पाकिस्तान के लिए अनुकूल बताया था। सूत्रों ने बताया कि उन्हें अब करोड़ों रुपये इन चीनी बोगियों को देश में चलने लायक बनाने के लिए खर्च करना होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान रेलवे की स्की लाइन के लिए मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि चीनी बोगियों के अंदर बहुत ही ज्यादा मोटी प्रेसर पाइप लगी हैं जिससे ब्रेक ठीक ढंग से नहीं लगेगा और दुर्घटना होने का खतरा रहेगा।

इन सब समस्याओं को देखकर पाकिस्तानी प्रशासन ने चीनी बोगियों में अपने देश के अंदर ढाई इंच की मोटी पाइप को लगाना शुरू किया है। इससे पहले इन चीनी बोगियों में 20 इंच मोटी पाइप लगी थी। पाकिस्तान रेलवे के मुख्य इंजीनियर मोहम्मद हसीब ने कहा कि इन बोगियों को तकनीकी रूप से फिट किया जा रहा है। मजेदार बात यह है कि इन बोगियों की जांच के लिए पाकिस्तान ने 88 अधिकारियों को चीन भेजा था और उन्हें प्रतिदिन 100 डॉलर का खर्च भी दिया था।

चीन के पाकिस्तान रेलवे को लूटने की यह खबर तब सामने आई है जब वह बदहाली के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। पाकिस्तान रेलवे इतना कंगाल हो गई है कि उसके पास ट्रेन को चलाने के लिए तेल ही नहीं बचा है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पाकिस्तानी रेलवे के पास बहुत ही कम दिनों का तेल बचा है। पाकिस्तान रेलवे ने रेल मंत्री से अनुरोध किया है कि उसे प्राथमिकता के आधार पर तेल मुहैया कराया जाए।

वेटिकन में पूर्व पोप बेनीडिक के अंतिम दर्शन करते हुए लोग।

मस्क के लिए नई परेशानी टिवटर के ऑफिस का किराया बाकी

वाशिंगटन। दुनिया के टॉप अमीरों की सूची में शुमार एलन मस्क ने जब से ट्विटर को खरीदा हैं तब से विवाद सामने आ रहे हैं। ट्विटर को खरीदने के बाद मस्क ने पहले कर्मचारियों की छंटनी की थी। इसके बाद कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं को सीमित कर दिया था। इस बार ट्विटर के सामने एक और समस्या आई है। ट्विटर ने अपने सैन फ्रांसिस्को ऑफिस का करोड़ों रुपयों किराया नहीं भरा है। इसके बाद ऑफिस के मालिक ने कंपनी के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। ऑफिस की मालिक कोलंबिया रीट ने बताया है कि अभी कंपनी पर 136250 डॉलर यानी करीब 1.12 करोड़ रुपये का किराया बाकी है। ऑफिस मालिक के मुताबिक उन्होंने 16 दिसंबर को ट्विटर को सूचित किया कि वह हार्टफोर्ड बिल्डिंग की 30वीं मंजिल पर 5 दिनों में डिफॉल्टर घोषित हो जाएगी क्योंकि उसने अभी तक किराया नहीं दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक टिवटर ने अपने मुख्यालय का किराया भी नहीं चुकाया है। यह तत्काल स्पष्ट नहीं है कि कब तक ट्विटर पर कोलंबिया रीट का किराया बकाया है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक ट्विटर को अन्य मुकदमों का भी सामना करना पड़ रहा है। 2 चार्टर फ्लाइट्स के लिए बकाया भुगतान न करने पर भी ट्विटर को अक्टूबर मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी पर जेट सर्विसेज ग्रुप का भी बकाया है। मस्क की दौलत में लगातार गिरावट हो रही है। ट्विटर खरीदने के बाद से उनकी संपत्ति में लगातार गिरावट आ रही है। इससे मस्क ने पहले दुनिया के नंबर 1 उद्योगपति कारोबारी का पद गंवाया था। अभी हाल ही में मस्क के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

चीनी सेना ही हरबार बार्डर क्रास करती हैं दुनिया इसबात को जानती है : जयशंकर

विएना (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया को चीन का असली चेहरा दिखाया है। जयशंकर ने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे चीन दूसरे देशों पर आक्रामकता का प्रदर्शन करता है। उनकी मानें तब चीन वह देश है जो किसी भी समझौते को मानने में यकीन नहीं रखता है। 9 दिसंबर को चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में घुसपैठ की थी। करीब 300 चीनी सैनिक भारत की सीमा में दाखिल हो गए थे। भारतीय सैनिकों ने बड़ी बहादुरी से चीनी सेना को पीछे धकेल दिया था। यह घटना उस समय हुई थी जब पूर्वी लद्दाख में अभी तक चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव जारी है।

जयशंकर से पूछा गया था कि चीन के साथ भारत का टकराव जारी है। इसके बाद क्या उन्हें लगता है कि वह ताइवान पर बलपूर्वक कब्जा कर सकता है? इस पर जयशंकर ने अपने ही अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि बड़ी चिंता है कि हमने चीन के साथ कई समझौते किए हैं जिसके तहत वहां हमारी सीमा और सीमाई इलाकों में सेना नहीं भेज सकते हैं। लेकिन उन्होंने इन समझौतों को नहीं माना और इस वजह से ही स्थिति काफी तनावपूर्ण है। हमने उनके साथ यह समझौता भी किया है कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा को एकपक्षीय कार्रवाई के तहत नहीं बदल सकते हैं जिसे उन्होंने कई बार बदलने की कोशिश की है। हमारा जो नजरिया है वह हमारे अनुभवों पर आधारित है। उनकी मानें तब पहले भी चीन ने इस तरह की सैन्य कार्रवाई की है जिसक कोई तर्क नहीं है।

जयशंकर ने कहा कि दुनिया के किस हिस्से में यथास्थिति बदलेगी या नहीं उस पर वह एक देश के विदेश मंत्री होने के नाते सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। लेकिन उनका व्यक्तिगत अनुभव यही है कि चीन कभी किसी समझौते को नहीं मानता है। जब जयशंकर को बताया गया कि चीन कहता आया है कि भारत किसी समझौते को नहीं मान रहा है तब इस पर भी जयशंकर का जवाब काफी बेबाक था। जयशंकर ने कहा कि चीन यह कतई नहीं कह सकता है कि भारत ने कोई समझौता तोड़ा है क्योंकि अक्सर चीन की सेनाएं सबसे पहले सीमा पार करती हैं। उन्होंने कहा रिकॉर्ड भी यही कहता है और स्पष्ट है कि किसने सबसे पहले बॉर्डर क्रॉस किया। जयशंकर साल 2009 से 2013 तक चीन में भारत के राजदूत रहे हैं। उन्हें चीन से जुड़े मसलों का काफी अनुभव है।

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा पाकिस्तान

– पाक के शीर्ष असैन्य– सैन्य नेतृत्व ने लिया संकल्प

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के शीर्ष असैन्य-सैन्य नेतृत्व ने सोमवार को देश में आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने का संकल्प लिया और हिंसा का सहारा लेने वाले किसी भी और हर तरह के संगठनों से निपटने के अपने दृढ़संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को हुई राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की 40वीं बैठक के पहले दौर के बाद दूसरे दौर की अध्यक्षता की। बैठक में सभी सेना प्रमुखों प्रमुख कैबिनेट मंत्रियों खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों और अन्य उच्च अधिकारियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार समिति को हाल की सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी गई जिसमें देश विशेष रूप से खैबर-पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान प्रांतों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि की सूचना शामिल है।

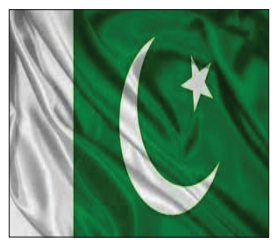

बयान में कहा गया है कि एनएससी ने पाकिस्तान में आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प को दोहराया और हिंसा का सहारा लेने वाली किसी भी और हर तरह की संस्थाओं पर कार्रवाई करने के अपने दृढ़संकल्प को भी दोहराया। इससे राष्ट्र की पूरी ताकत के साथ निपटा जाएगा। पाकिस्तान की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। तहरीक-ए-तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन के इस्तेमाल का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए बैठक में संकल्प लिया गया कि किसी भी देश को इस तरह की गतिविधियों के लिए अपनी जमीन का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिमार सिस्टम बना रूसी सैनिकों के लिए काल 63 की मौत

–कहां से आई यूक्रेन के पास ये खतरनाक मिसाइलें

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन ने हिमार सिस्टम का इस्तेमाल कर करीब 63 रूसी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया है। बताया जा रहा है कि इसके लिए यूक्रेन ने हिमार सिस्टम का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन ने रूसी बलों के खिलाफ इस घातक सिस्टम को लॉन्च किया है। अब सवाल है कि हिमार क्या है और यूक्रेन के पास यह ताकत कहां से आई? हिमार्स यानी एम142 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम। यह एक मिसाइल लॉन्चर है जो 5 टन वजनी ट्रक से जुड़ा हुआ है और एक बार में 6 गाइडेड मिसाइल लॉन्च कर सकता है। हिमार्स रॉकेट लॉन्चर सिस्टम की रेंज 80 किमी तक होती है। इसका वजन करीब 16.25 टन होता है।हालांकि कहा जा रहा है कि हिमार्स की रेंज अलग-अलग हो सकती है। हिमार्स एक आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम मिसाइल को भी दाग सकती है जिसकी रेंज 300 किमी तक हो सकती है। हालांकि यूक्रेन के पास यह नहीं है। खबरें हैं कि अमेरिका ने 9 बिलियन डॉलर के सुरक्षा सहयोग पैकेज में 16 हिमार्स सिस्टम्स को भी शामिल किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की भी कह चुके हैं कि हिमार्स मिसाइलें रूस के खिलाफ युद्ध की दिशा बदल रही हैं। कहा जा रहा है कि इसका इस्तेमाल दर्जनों रूसी लक्ष्यों को निशाना बनाने में किया गया है।जानकार बताते हैं कि यूक्रेन में हिमार्स का इस्तेमाल जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में होने लगा था। बताया जा रहा है कि शुरुआती दौर में इनका उपयोग चहलकदमी करते बलों के बजाय तय लक्ष्य और कमांड सेंटर्स के खिलाफ किया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन ने दावा किया था कि लिसिचांस्क लुहांस्क में मिसाइल अटैक में 100 सैनिकों की मौत हो गई थी। लुहांस्क के पोपासना में हुए हमले में भी करीब 100 मौतें हुई थीं। सेंट एंड्र्यूज यूनिवर्सिटी में स्ट्रैटिजिक स्टडीज के प्रोफेसर फिलिप्स ओ ब्रायन के हवाले से बताया गया कि दोनों ही हमलों में हिमार्स के इस्तेमाल किए जाने की आशंका थी।

कोरोना का कहर झेल रहे जिनपिंग के देश में ये क्या हो रहा है? नाराज होकर लोगों ने क्यों पलट दी पुलिस की गाड़ी

बीजिंग (एजेंसी)। कोरोना से कोहराम के बीच शी जिनपिंग जनता के सामने आए और कहा कि चीन में कोरोना से जंग का एक नया दौर शुरू हो गया है। जिसमें जनता और सरकार को मिलकर लड़ना होगा। शी जिनपिंग के तीसरी बार सत्ता संभालने के कुछ ही महीने बाद चीन पर कोरोना कहर बनकर टूटा। दुनिया पर राज करने का सपना देखने वाले चीन की सड़कों पर शवों का अंबार लग गया। जीरो कोविड पॉलिसी की ऐसी धज्जियां उड़ी की जिनपिंग किसी को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रहे। बता दें कि कुछ महीने पहले तक चीन अपनी इसी पॉलिसी पर इतरा रहा था।

चीनी ब्लॉगर और व्हिसल ब्लोअर जेनिफर जेंग ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें एक पुलिस कार को आम नागरिकों द्वारा पलटते हुए देखा जा रहा है। वीडियो शेयर करते हुए जेंग ने लिखा कि जब सीसीपी पुलिस ने जब लोगों को नए साल का जश्न मनाने के क्रम में आतिशबाजी करके की वजह से गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो पब्लिक ने एक पुलिस कार को पलट दिया। वीडीयो चीन के हेनान प्रांत के झोफको शहर का बताया जा रहा है।

बता दें कि चीन में कोरोना से दहशत का माहौल है। अस्पतालों की व्यवस्था चरमरा गई है और रोगियों को भर्ती करने के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कोविड संक्रमण की वजह से भारी संख्या में लोगों की जानें भी जा रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि चीन, हांगकांग, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और थाइलैंड से भारत के किसी हवाई अड्डे पर पहुंच रहे यात्रियों के लिए कोविड की निगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य है, भले ही उन्होंने मूल रूप से किसी भी देश से यात्रा शुरू की हो।

मैक्रां सरकार का फैसला युवकों और युवतियों को फ्री कंडोम देगी

पेरिस। फ्रांसिसी सरकार ने युवकों और युवतियों को फ्री कंडोम और गर्भनिरोधक देने की घोषणा की है। फ्रांस में प्रत्येक दवा की दुकान पर अब 26 साल तक के युवाओं के लिए मुफ्त में कंडोम देने की व्यवस्था कर दी गई है। राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां ने इस गर्भनिरोधक स्वास्थ्य की दिशा में एक छोटी क्रांति करार दिया है। इतना ही नहीं मैक्रां सरकार प्रत्येक महिला को मुफ्त में आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियां भी मुहैया कराएगी। फ्रांस ने नई स्वास्थ्य रणनीति को देश के युवाओं में यौन रोगों के प्रसार को रोकने के लिए बनाया है। इस नए साल के पहले दिन से लागू कर दिया गया है। इसका ऐलान दिसंबर महीने में मैक्रां सरकार ने किया था। इस नियम को पहले 18 से 25 साल के युवाओं को लक्ष्य करके बनाया गया था लेकिन अब इस नाबालिगों तक के लिए बढ़ा दिया गया है। फ्रांस सरकार के प्रवक्ता ओलिविअर वेरान ने कहा कि सभी महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक दवाएं मुफ्त में उपलब्ध रहेंगी।

1971 की हार पर तालिबान ने पाक को चिढ़ाया

–पाक ने टेके थे घुटने आज तक नहीं भरा है जख्म

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तहरीक-ए-तालिबान से मिल रही चुनौती से बौखलाहट में पाकिस्तानी गृह मंत्री ने अफगानिस्तान में अटैक करने की धमकी दे डाली। इसपर एक तालिबानी नेता ने 1971 की तस्वीर साझा करके पाकिस्तान का मजाक उड़ाया है। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान ने भारत के सामने जिस तरह से घुटने टेके थे वह जख्म आज तक भरा नहीं है। वहीं तालिबान नेता ने यह तस्वीर शेयर करे जख्म पर नमक छिड़कने का काम किया है।

तालिबानी नेता यासिर अहमद ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान को ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहिए। हाल ही में पाकिस्तानी गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने अफगानिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई करने का संकेत दिया था। इसी के जवाब में 1971 की तस्वीर शेयर करते हुए अहमद यासिर ने लिखा बहुत बढ़िया जनाब पाकिस्तानी वजीर! अफगानिस्तान कोई सीरिया और पाकिस्तान नहीं है जहां कुर्दों को टारेगट किया जाए। अफगानिस्तान महान सम्राटों की धरती है। हम पर सैन्य कार्रवाई के बारे में ना सोचिए वरना भारत के सामने सरेंडर वाला हाल दोबारा होगा।

यासिर ने जो तस्वीर शेयर की है वह 16 दिसंबर 1971 की है जब पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) की ओर से सरेंडर किया था। भारत इस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाता है। कुछ दिन पहले राणा सलाउद्दीन ने कहा था कि अफगानिस्तान में विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला करने का अधिकार पाकिस्तान के पास है। अगर अफगानिस्तान खुद टीटीपी के ठिकानों को तबाह नहीं करता तो पाकिस्तान को कार्रवाई करनी पड़ेगी।पाकिस्तानी गृह मंत्री ने कहा था जब भी ऐसी कोई दिक्कत होती है हम सबसे पहले अफगानिस्तान से पूछते हैं। हम कहते हैं कि इस तरह के आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की जाए। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें कुछ करना पड़ेगा।

इस बयान के पलटवार में तालिबानी प्रवक्ता ने कहा था अफगानिस्तान पाकिस्तान से अच्छे संबंध चाहता है लेकिन पाकिस्तानी नेताओं को बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए। किसी भी देश के पास दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है। बता दें कि पाकिस्तान लगातार कई संकटों से घिरता जा रहा है। सियासी और आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के सामने अब तहरीक-ए-तालिबान भी चुनौती बनकर खड़ा है। टीटीपी ने अपनी कैबिनेट तक का ऐलान कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंदौर में पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार लोगों को चार करोड़ रुपये वापस दिलाए

इंदौर। इंदौर में पुलिस ने 2022 के ऑनलाइन धोखाधड़ी के कई मामलों में ठग गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लगभग चार करोड़ रुपये शिकायतकर्ताओं को वापस कराए और यह राशि 2021 के मुकाबले तकरीबन तीन गुना अधिक है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने 2021 में ऑनलाइन धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में शहर के पीड़ितों को ठग गिरोहों से 1.37 करोड़ रुपये वापस दिलाए थे। प्रवक्ता के मुताबिक गिरोहों ने अलग-अलग तरीकों से लोगों को जाल में फंसाकर चूना लगाया जिनमें उन्हें अश्लील वीडियो कॉल करने के साथ ही उपहारों और रोजगार का झांसा दिया जाना शामिल है।

पीएम मोदी ने सावित्रीबाई फुले व रानी वेलू नचियार की जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प्रख्यात समाजसेवी और भारत में महिला शिक्षा की प्रबल समर्थक रहीं सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि मैं प्रेरक सावित्रीबाई फुले जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह हमारी नारी शक्ति की अदम्य भावना को दर्शाती हैं। उनका जीवन महिलाओं को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए समर्पित था। सामाजिक सुधार और सामुदायिक सेवा पर उनका ध्यान भी प्रेरणादायक है। महात्मा फुले ने देश में पहले बालिका विद्यालय की शुरुआत की थी और सावित्रीबाई उसकी पहली महिला शिक्षिका थीं। प्रधानमंत्री ने स्वाधीनता आंदोलन में अंग्रेजों से लोहा लेने वाली तमिलनाडु के शिवगंगा रियासत की रानी वेलू नचियार की जयंती पर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका अदम्य साहस आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने उपनिवेशवाद का जमकर विरोध किया और समाज के कल्याण के लिए काम किया। उनकी बहादुरी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। रानी वेलु नचियार शिवगंगा की रानी थीं और वह ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ युद्ध छेड़ने वाले पहले भारतीय शासकों में से एक थीं। वीरमंगई वीर महिला कहलाने वाली रानी वेलु नचियार रामनाथपुरम की राजकुमारी थीं।

सीएम ममता बनर्जी पर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप 12 जनवरी को फैसला सुनाएगी अदालत

मुंबई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राष्ट्रगान अवमानना मामले में मुंबई की शिवड़ी कोर्ट 12 जनवरी को फैसला सुनाएगी. दरअसल शिवड़ी कोर्ट में उन पर मामला चल रहा है. भाजपा के मुंबई सचिव विवेकानंद गुप्ता ने सीएम बनर्जी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था. मुख्यमंत्री पर आरोप है कि 3 दिसंबर 2021 को मुंबई में एक कार्यक्रम में जब राष्ट्रगान बजाया जा रहा था तो वह वहां से चली गई थीं. बीजेपी नेता विवेकानंद का आरोप है कि ममता बनर्जी ने ऐसा करके राष्ट्रगान का अपमान किया था. पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि शिकायत से प्राप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य शिकायतकर्ता के सत्यापित बयान डीवीडी के वीडियो क्लिप और यू-ट्यूब लिंक के वीडियो क्लिप से पता चलता है कि आरोपी (ममता बनर्जी) ने राष्ट्रगान गाया और अचानक रुक गईं और मंच से चली गईं. आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पिछले साल उद्धव ठाकरे की शिवसेना और एनसीपी के नेताओं के निमंत्रण पर एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई थीं. इस कार्यक्रम में ही राष्ट्रगान बजाया गया था. चूँकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मुंबई दौरा राजनीतिक था. मुख्यमंत्री होने के नाते प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी होता है. उधर इस मामले में शिवड़ी कोर्ट ने ममता बनर्जी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था. ममता बनर्जी ने इस आदेश को मुंबई के सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी. जिसपर अदालत ने पूछा था कि वह (ममता बनर्जी) यहां किस काम से आई थीं? अदालत ने इस मामले की पूरी जानकारी मांगी थी. अदालत में मंगलवार को इस मामले में सुनवाई हुई जिसमें कोर्ट ने 12 जनवरी को फैसला सुनाने का निर्णय लिया.

बीएसएफ ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी को मार गिराया

अमृतसर। पाकिस्तान द्वारा भारत में लगातार घुसपैठ की कोशिश हो रही है। कश्मीर से लेकर पंजाब तक पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। हालांकि हर बार भारतीय सैन्य बल पाकिस्तान को करारा जवाब दे रहे हैं। मंगलवार की सुबह पंजाब में पाकिस्तान की ऐसी ही नापाक हरकत सामने आई। बीएसएफ के जवानों ने मंगलवार की सुबह भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर गुरदासपुर क्षेत्र में पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। बताया गया कि सुबह लगभग 8:30 बजे गुरदासपुर सेक्टर के बीओपी चन्ना में बीएसएफ जवानों ने सशस्त्र पाकिस्तानी घुसपैठिए की संदिग्ध गतिविधि देखी जो पाकिस्तान की तरफ से बीएस फेंस की ओर आ रहा था। जिसके बाद बीएसएफ जवानों ने सतर्कता दिखकर घुसपैठिए को मार गिराया। बताया गया कि घुसपैठिया हथियारबंद था। जिसे जवानों ने मार गिराया। घुसपैठिए को ढेर करने के बाद इलाके का सर्च अभियान जारी है। बीएसएफ इलाके में सघन जांच कर रही है। यह पता करने की कोशिश की जा रही है कि घुसपैठिया अकेला था या उसके कोई और साथी भी कहीं छुपे हैं।

हरिद्वार में प्रवाहित होने की आस में कराची में रखीं 426 हिंदुओं की अस्थियां

गुरदासपुर। पाकिस्तान के शहर कराची व आसपास के शहरों में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग जिनका अंतिम संस्कार हो चुका है उनकी 426 अस्थियां आज भी कराची के सोनपुरी श्मशान घाट व कुछ मंदिरों में पड़ी हैं जो लंबे समय से भारत के हरिद्वार में प्रवाहित होने का इंतजार कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की पाकिस्तानी हिंदुओं के लिए स्पॉन्सरशिप प्रणाली में सुधार के चलते इन अस्थियों को हरिद्वार की गंगा नदी के कनखल में प्रवाहित होने की संभावना बन गई है। हिंदू मान्यता के अनुसार जब तक मृतक की अस्थियां गंगा में प्रवाहित नहीं होती तब तक मृतक को मुक्ति नहीं मिलती। सूत्रों के अनुसार इससे पहले 2016 में 295 हिंदू समुदाय के लोगों की अस्थियां पाकिस्तान से भारत लाई गई थीं। उसके बाद भी हिंदू समुदाय के लोग इस आशा से अपने मृतक परिवारिक मैंबरों की अस्थियां श्मशान घाट या मंदिर में रखते आ रहे हैं कि एक दिन उन्हें इन अस्थियों को गंगा में प्रवाहित करने का मौका मिलेगा।

भारतीय हाई कमीशन से चल रही : पुजारी

सोल्जर बाजार स्थित श्री पंचमुखी राम मंदिर के पुजारी राम नाथ के अनुसार इसी इच्छा से पाकिस्तान के श्मशान घाट व मंदिरों में बड़ी संख्या में हिंदुओं की अस्थियां पड़ी हैं जबकि कुछ पाकिस्तान के कब्रिस्तानों में हिंदू समुदाय के लोगों के शव भी अमानत के रूप में दबे पड़े हैं ताकि जब उनके पास साधन होंगे तो वह आसपास के श्मशान घाटों में जाकर अंतिम संस्कार करेंगे। कराची के सोनपुर श्मशान घाट के अस्ती कलश में 300 से अधिक हिंदओं की अस्थियां पड़ी हैं जबकि बाकि मंदिरों में रखी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय हाई कमीशन से बातचीत चल रही है और मोदी सरकार के रहते आशा है कि उनकी यह इच्छा जरूर पूरी होगी।

91 लाख तीर्थयात्रियों ने वैष्णो देवी के किए दर्शन

-पिछले नौ वर्षों में यह संख्या है सबसे अधिक

जम्मू। कटरा स्थित माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में साल 2022 में 91 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। यात्रियों का यह आंकड़ा पिछले नौ वर्षों में सबसे अधिक है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साल 2022 के अंतिम दिन शनिवार को 23 हजार से अधिक भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने कहा साल 2022 में कुल 91.25 लाख भक्तों ने श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन किए जो 2013 में ऑनलाइन यात्रा पंजीकरण शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। श्राइन बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2022 के आखिरी दिन 23110 तीर्थयात्रियों ने मंदिर में दर्शन किए। पिछले साल सबसे ज्यादा 11.29 लाख तीर्थयात्रियों ने जून में माता के दर्शन किए थे जबकि सबसे कम संख्या 3.61 लाख फरवरी में दर्ज की गई थी। गौरतलब है कि पिछले साल 1 जनवरी को वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और 16 घायल हो गए थे फिर भी उसी महीने में 4.38 लाख से अधिक लोगों ने मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन किए थे। इसी तरह मंदिर में मार्च में 7.78 लाख अप्रैल में 9.02 लाख मई में 9.86 लाख जुलाई में 9.07 लाख अगस्त में 8.77 लाख सितंबर में 8.28 लाख अक्टूबर में 7.51 लाख और नवंबर में 6.01 लाख श्रद्धालुओं की संख्या दर्ज की गई।

अब जनप्रतिनिधियों की अभिव्यक्ति व बोलने की आजादी पर नहीं होगी अतिरिक्त पाबंदी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के साथ नहीं जोड़ा जा सकता किसी मंत्री का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने फैसले में कहा कि सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों के बोलने पर अतिरिक्त पाबंदी लगाने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत को लागू करने के बावजूद किसी मंत्री द्वारा दिए गए बयान को अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के साथ नहीं जोड़ा जा सकता। न्यायमूर्ति एसए नजीर की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत उल्लेखित पाबंदियों के अलावा स्वतंत्र अभिव्यक्ति के खिलाफ कोई अतिरिक्त पाबंदी लागू नहीं की जा सकती। पीठ में न्यायमूर्ति बीआर गवई न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम शामिल हैं। संविधान पीठ का कहना है कि सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत को लागू करने के बावजूद किसी मंत्री द्वारा दिए गए बयान को अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के साथ नहीं जोड़ा जा सकता फिर भले ही वह बयान राज्य के किसी मामले को लेकर हो या सरकार की रक्षा करने वाला हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 19(1) के तहत मौलिक अधिकार का प्रयोग राज्य के अलावा अन्य व्यवस्था के खिलाफ भी किया जा सकता है।

जज नागरत्ना ने कहा भाषणों को नियंत्रित करने अपनी आचार संहिता बनाएं दल

पीठ में शामिल न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने एक अलग आदेश लिखा कि भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बेहद आवश्यक अधिकार है ताकि नागरिकों को शासन के बारे में अच्छी तरह जानकारी हो। उन्होंने कहा कि नफरत फैलाने वाला भाषण असमान समाज का निर्माण करते हुए मूलभूत मूल्यों पर प्रहार करता है और विविध पृष्ठभूमियों खासतौर से हमारे 'भारत' जैसे देश के नागरिकों पर भी प्रहार करता है। यह फैसला इस सवाल पर आया है कि क्या किसी सार्वजनिक पदाधिकारी के भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं? जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि जनप्रतिनिधियों पर आर्टिकल 19(2) में दिये गए वाजिब प्रतिबंध के अलावा अतिरिक्त पाबंदी नहीं लगाई जा सकती है। इस मामले में वह साथी जजों की राय से सहमत हैं। मंत्री का बयान सरकार का बयान माना जाए या नहीं इस

पर उनका कहना है कि मंत्री निजी और आधिकारिक दोनों हैसियत से बयान दे सकते हैं। अगर मंत्री निजी हैसियत से बयान दे रहे हैं तो यह उनका व्यक्तिगत बयान माना जाएगा लेकिन अगर वो सरकार के काम से जुड़ा बयान दे रहे हैं तो उसका बयान सरकार का सामूहिक बयान माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को खुद आत्म निरीक्षण की जरूरत है कि वो जनता को क्या संदेश दे रहे हैं। यह पार्टी पर निर्भर करता है कि वह अपने मंत्रियों द्वारा दिए गए भाषणों को नियंत्रित करे जो एक आचार संहिता बनाकर किया जा सकता है।

तवांग झड़प के बाद अपने पहले अरुणाचल दौरे से चीन को स्पष्ट संकेत दे गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। तवांग में भारत और चीन के सैनिकों के बीच दिसंबर महीने में हुई झड़प के बाद आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अरुणाचल प्रदेश पहुँचे और एलएसी के पास एक पुल का उद्घाटन कर भारत की रक्षा तैयारियों को बल प्रदान किया तथा अपने संबोधन के माध्यम से चीन को कड़ा संदेश भी दिया। राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया जिनमें सबसे खास सिओम पुल है जोकि सियोम नदी पर बनाया गया है। यह पुल रणनीतिक रूप से भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वास्तविक नियंत्रण रेखा के दूरदराज के क्षेत्रों में सैनिकों को तैनात करने में सहायक होगा।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर दिये अपने संबोधन में कहा कि सीमा सड़क संगठन ब्रह्म ने जिस भावना और गति के साथ विकास कार्यों को अंजाम दिया है वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ने की योजना सरकार की प्राथमिकता में है, ताकि वहां रहने वाले लोगों के विकास के साथ-साथ, उनमें व्यवस्था के प्रति विश्वास की भावना विकसित हो सके। रक्षा मंत्री ने सीमा सड़क संगठन द्वारा देश के सीमावर्ती इलाकों में निर्मित 28 मूल ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि मुझे बड़ी खुशी और गौरव का अनुभव हो रहा है।

अरुणाचल प्रदेश के बोलेंग में आयोजित

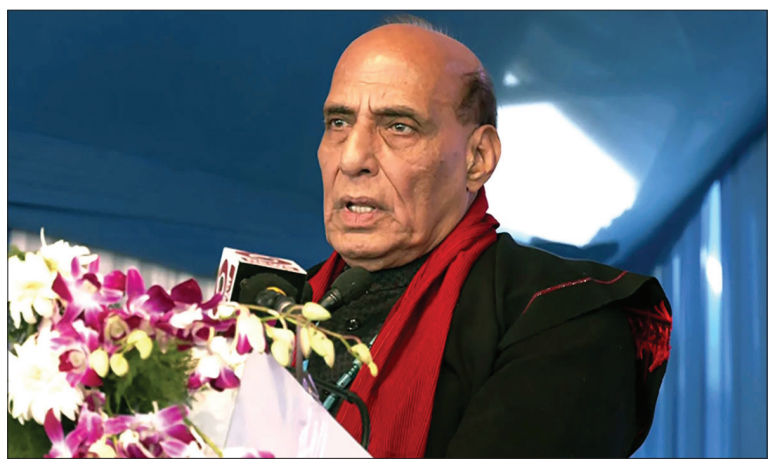

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के पास देश की सीमा पर विरोधियों की चुनौतियों को विफल करने की पूरी क्षमता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत कभी भी युद्ध को बढ़ावा नहीं देता है और हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहता है। रक्षा मंत्री ने बिना किसी देश का नाम लिये स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि भारतीय सेना में सीमा पर किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है और वह किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

राजनाथ सिंह ने दोहराया कि भारत एक ऐसा देश है जो कभी भी युद्ध को बढ़ावा नहीं देता है और हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह संस्कृति और संस्कार हमें भगवान राम और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से विरासत में मिला है। हालांकि देश के पास उकसाने पर किसी भी तरह की स्थिति का सामना करने की क्षमता भी है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड : अदालत ने आरोपियों के नार्को एवं पॉलीग्राफ परीक्षण पर सुनवाई की

कोटद्वार (एजेंसी)। तीन जनवरी कोटद्वार की एक अदालत ने अंकिता हत्याकांड के आरोपियों के नार्को और पॉलीग्राफ परीक्षण की अनुमति की मांग करने वाली एक याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की। न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) भावना पांडे ने अभियोजन और बचाव पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई की अगली तारीख पांच जनवरी तय की।

अभियोजन पक्ष के वकील अजय पंत ने कहा कि आरोपियों का नार्को और पॉलीग्राफ दोनों ही परीक्षण किये जाने चाहिए। आरोपियों के वकील अमित साजवान ने यह स्पष्ट किए जाने का आग्रह किया कि अभियोजन नार्को परीक्षण कराना चाहता है या पॉलीग्राफ, क्योंकि दोनों भिन्न हैं। भंडारी (19) ऋषिकेश के समीप वनतारा रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट की नौकरी करती थी।

उसके मालिक पुलकित आर्य एवं उसके (आर्य के) दो सहयोगियों ने कथित रुप से उसकी हत्या कर दी थी क्योंकि उसने एक गणमान्य आंगुतक को 'अतिरिक्त सेवा' देने के उनके दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया था। भंडारी की हत्या पर बड़ा जनाक्रोश पैदा हुआ था। फिलहाल आरोपी जेल में हैं तथा इस मामले की जांच कर रहा विशेष जांच दल उनके विरूद्ध आरोपपत्र दाखिल भी कर चुका है।

जम्मू कश्मीरमें हुआ आतंकी हमले में मारे गए लोगों का हुआ अंतिम संस्कार, हजारों लोगों ने दी अश्रुपूर्ण विदाई

राजौरी/जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में दो आतंकवादी घटनाओं में मारे गए दो नाबालिग चचेरे भाई-बहनों सहित छह लोगों को मंगलवार को उनके पैतृक स्थान पर अश्रुपूर्ण और भावनात्मक विदाई दी गई। सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल में रखे गए पार्थिव शरीरों के अंतिम दर्शन के लिए सैकड़ों शोक-संतप्त लोग फूल और मालाएं लिए कतारबद्ध थे। शवों को रात में सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल में रखा गया था। धनगड़ी गांव में हुए आतंकी हमले में मारे गए छह लोगों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट लाया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और उन्होंने आतंकवाद विरोधी नारे लगाए। चार साल के विहान शर्मा, 16 साल की समीक्षा शर्मा, सतीश कुमार (45), दीपक कुमार (23), प्रीतम लाल (57) और शिशु पाल (32) के शवों का अंतिम संस्कार धंगरी श्मशान घाट पर किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंतिम संस्कार हुआ। उन्होंने बताया कि राजौरी शहर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि हत्याओं में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है।

पुलिस ने भीषण हमलों में शामिल आतंकवादियों के बारे में विशिष्ट जानकारी साझा करने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। इस बीच, वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व में एनआईए की एक टीम ने दो आतंकी घटनाओं की प्रारंभिक जांच करने के लिए आज दोपहर धंगरी गांव का दौरा किया। यहां रविवार और सोमवार को हमले में 11 लोग घायल भी हुए थे। पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह, भाजपा जम्मू-कश्मीर प्रमुख रविंदर रैना, एडीजीपी मुकेश सिंह और संभागीय आयुक्त (जम्मू) रमेश कुमार ने सैन्य अधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के अलावा अंतिम संस्कार में भाग लिया।

उन्होंने पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण किया और दिवंगत व्यक्तियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सोमवार को एक आईईडी (विस्फोटक उपकरण) विस्फोट से दो चचेरे भाई-बहन की मौत हो गई थी। रविवार शाम को राजौरी जिले के इलाके में आतंकवादियों ने तीन घरों में गोलीबारी की जिसमें चार नागरिकों की मौत हो गई और छह घायल हो गए थे। हमलों के विरोध में किश्तवाड़ जिले में मंगलवार को बंद रखा गया है। शहर में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सड़कों से यातायात आंशिक रूप से नदारद रहा। संगठन के एक नेता ने कहा, 'सनातन धर्म सभा ने हत्याओं के विरोध में बंद का आह्वान किया। इसका उद्देश्य लोगों की सुरक्षा और सुरक्षा के बारे में सरकार को संवेदनशील बनाना था।

'राहुल गांधी भ्रम के शिकार', भाजपा का दावा- वह चाहते हैं भारत, चीन के आगे नतमस्तक हो जाए

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने एक बार फिर से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। दरअसल, राहुल गांधी चीन मामले को लेकर सरकार पर हमलावर रहते हैं। इसी पर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि राहुल गांधी चाहते हैं कि भारत, चीन के आगे नतमस्तक हो जाए। इसके साथ ही भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भ्रमण करते करते खुद ही भ्रम के शिकार हो गए हैं। भाजपा की ओर से पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आज एक संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी के बयान की निंदा भी की। त्रिवेदी ने गांधी पर 135 करोड़ भारतीयों का मनोबल गिराने का भी आरोप लगाया। भाजपा का यह पलटवार राहुल गांधी के उस दावे पर आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन भारत के साथ उसी सिद्धांत पर अमल कर रहा है, जो रूस ने यूक्रेन के साथ अपनाया है क्योंकि वह (चीन) भारत की सीमाओं को बदलने की धमकी दे रहा है।

राहुल के इसी बयान पर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो

यात्रा के दौरान भ्रमण करते करते भ्रम के शिकार हो गए हैं। वो लगातार भ्रम में पड़ रहे हैं। लेकिन उन्होंने भारत का भ्रम दूर कर दिया है... चीन पर दिया गया उनका बयान ऐसा इंगित कर रहा है कि भारत चीन के आगे नतमस्तक हो जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले सेना और अब भारतीयों के सम्मान को गिराने का काम राहुल क्यों कर रहे हैं। राहुल 4-5 देशों का नाम बता दें कि कौन आज चीन के साथ खड़े हैं जबकि भारत के साथ दुनिया खड़ी है। उन्होंने कहा कि राहुल जी, भारत में घूमने से नहीं... भारत को समझने से भारतीयता को समझा जा सकता है। इनकी चार पीढ़ी से 'Discovery of India' ही चल रही है। भाजपा प्रवक्ता ने साफ कहा कि राहुल जी ने देश के सामने अपनी मंशा को साफ कर दिया है कि भारत को ठीक उसी प्रकार चीन के सामने समर्पण कर देना चाहिए जैसा उनकी सरकार के दौरान होता था।

भाजपा के राज्यसभा सांसद ने आगे कहा कि राहुल ने साफ कर दिया कि जैसे कभी आपके जमाने में खानदानी रवायत के चलते हमने अपनी जमीन गंवाई थी... आप चाहते हैं कि चीन के सामने नतमस्तक हो जाए भारत। उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष से सवाल किया कि भारत की सेना का मनोबल गिराने के बाद अब वह 135 करोड़ भारतीयों का मनोबल गिराने का प्रयास क्यों कर रहे हैं? उन्होंने पूछा, ''या तो वह चीन से मिले चंदे के एहसान की वजह से ऐसा कर रहे हैं या चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से हुए करार के प्यार की वजह से कर रहे हैं।'' भाजपा नेता ने राहुल गांधी से कहा कि भारत घूमने से नहीं बल्कि भारत को अनुभव करने से, भारतीयता समझ में आती है। उन्होंने कहा, ''भारत को समझिए। भारतीयता को समझिए। यह प्राचीन राष्ट्र है। हम एकमात्र प्रागैतिहासिक और सनातन राष्ट्र हैं और आपको लगता है कि हम भ्रम में हैं। मुझे लगता है कि चार पीढ़ी के बाद से भारत की खोज ही चल रही है।''

अभी नहीं थमेगा कोहरा कई राज्यों में शीतलहर का अलर्ट

मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ पंजाब हरियाणा व यूपी में कड़ाके की ठंड के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने कई राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार अभी ठंड का प्रकोप जारी रहने की आशंका जताई गई है। कई राज्यों में घने कोहरे छाए रहेंगे और कई क्षेत्रों में शीतलहर चलेगी। मौसम विज्ञानियों ने मौसम के तल्ख तेवर को देखते हुए अलर्ट भी जारी किया है। गंगा से लगते मैदानी इलाकों में ठंडी हवाएं चलने के कारण फिलहाल कड़ाके की सर्दी से छुटकारा मिलने की संभावना काफी कम है। मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल झारखंड पंजाब हरियाणा उत्तर प्रदेश बिहार उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश असम त्रिपुरा आदि राज्यों में ठंड बढ़ने का पूर्वानुमान जताया गया है। इसके साथ ही अंडमान निकोबार द्वीप समूह अरुणाचल प्रदेश पश्चिम बंगाल सिक्किम तटीय आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पंजाब हरियाणा उत्तर प्रदेश और बिहार में अगले 5 दिनों तक घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। उत्तराखंड में अगले 48 घंटों तक कोहरे का प्रकोप रहने का पूर्वानुमान है। मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ हिमाचल प्रदेश पूर्वी राजस्थान मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ झारखंड पश्चिम बंगाल असम और त्रिपुरा में भी अगले 2-3 दिनों तक कोहरा छाया रहेगा। घने कोहरे के कारण उत्तरी और पूर्वी भारत में सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खासकर परिवहन व्यवस्था पर इसका व्यापक असर पड़ा है। दर्जनों की संख्या में ट्रेनें लेट चल रही हैं जबकि सड़क मार्ग से यात्रा करना भी कठिन हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में 3 से 6 जनवरी 2023 तक भीषण शीतलहर की संभावना जताई है। पंजाब में 3 और 4 जनवरी को शीतलहर चलने का पूर्वानुमान है।

कई राज्यों में हल्की बरिश के आसार

कई राज्यों के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश आगे बढ़ा दिया गया है ताकि बच्चे भीषण ठंड में घरों में ही रहें। शीतलहर को देखते हुए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों को 7 जनवरी तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। बिहार पंजाब दिल्ली जैसे प्रदेशों में पहले ही स्कूल को बंद करने का ऐलान किया जा चुका है। मौसम विभाग ने कुछ राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में बारिश होने की भी संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार अंडमान निकोबार अरुणाचल प्रदेश तटीय आंध्र प्रदेश पश्चिम बंगाल सिक्किम और पुडुचेरी में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। उत्तरी भारत के मैदानी और पर्वतीय इलाकों में फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए फारूक अब्दुल्ला, गले लगाकर राहुल ने किया स्वागत, प्रियंका भी रही मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला आज भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। इसकी तस्वीरें भी सामने आ गई है। कांग्रेस की ओर से तस्वीरों को साझा किया गया है। फारूक अब्दुल्ला चेहरे पर मास्क लगाए भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उनके साथ नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने फारूक अब्दुल्ला को गले लगाकर स्वागत भी किया है। प्रियंका भी इस दौरान मौजूद रही। आपको बता दें कि 9 दिनों के अंतराल के बाद आज कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली से चली है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब के रास्ते यह यात्रा जम्मू कश्मीर में संपन्न होगी। वहीं, पूर्व रिसर्च एंड एनालिसिस विंग प्रमुख ए.एस. दुलत दिल्ली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। खबर यह भी है कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी 'भारत जोड़ो यात्रा' में कश्मीर में शामिल होंगी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा था कि मुझे भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी जी के साथ कश्मीर में जुड़ने का आज न्योता दिया गया। उनके अदम्य साहस को सलाम करती हूं और मेरा मानना है कि उस व्यक्ति के साथ खड़े होना मेरा कर्तव्य है, जिसमें फासीवादी ताकतों को चुनौती देने की हिम्मत है। आपको बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत 7 सितंबर को कन्याकुमारी से आरंभ हुई थी। यह यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली पहुंची थी। तमिलनाडु से शुरू होने के बाद यह यात्रा केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, होते हुए दिल्ली पहुंची थी। इसके बाद भारत जोड़ो यात्रा उत्तर प्रदेश के रास्ते हरियाणा, पंजाब होते हुए जम्मू-कश्मीर पहुंचेगी। 3 जनवरी को भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा में प्रवेश कर जाएगी। 10 जनवरी तक हरियाणा में रहने के बाद 11 को पंजाब में प्रवेश करेगी। 19 जनवरी को हिमाचल प्रदेश से भी गुजरेगी। 20 जनवरी को यह यात्रा जम्मू कश्मीर में प्रवेश करेगी। खबर के मुताबिक 30 जनवरी को श्रीनगर में राहुल गांधी तिरंगा फहराएंगे और वहीं इस यात्रा का समापन भी होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतरराज्यीय क्रूड ऑयल माफिया संदीप गुप्ता कोलकाता से गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. गुजरात समेत विभिन्न राज्यों में गुजरने वाली भूमिगत पाइप लाइनों में छेद कर क्रूड ऑयल चोरी करने वाले वांछित माफिया संदीप को गुप्ता को सूरत क्राइम ब्रांच ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

शहर पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने बताया कि संदीप गुप्ता उर्फ सेंडी हरियाणा के गुरुग्राम का मूल निवासी है। वह 2006 से ही विभिन्न राज्यों में ऑयल चोरी में सक्रिय है। वह अलग अलग राज्यों में अपने साथियों के साथ मिल कर ऑयल चुराता था। फिर अपने नेटवर्क के जरिए अन्य माफियाओं के साथ मिली भगत कर चोरी छिपे बेचता था।

उसके खिलाफ करीब 400 करोड़ रुपए की ऑयल चोरी के मामले हरियाणा, राजस्थान, गुजरात व पश्चिम बंगाल के अलग अलग थानों में दर्ज हो चुके हैं। जिनमें वह गिरफ्तार भी हो चुका है। गुजरात में वह अपने साथी जिग्नेश गुज्जर उर्फ फौजी की मदद से चोरी का नेटवर्क चलाता था। 2021 में राजस्थान और गुजरात में दर्ज मामलो में उसे पकड़ा गया था। उस दौरान उसके व उसके साथियों के खिलाफ गुजसीटोक (गुजरात संगठित अपराध व आतंकवाद निरोधक कानून) के तहत मामला दर्ज किया गया था। छह माह पूर्व वह कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने पर फरार हो गया था।

तब उसे पुलिस को उसकी तलाश थी, इस बीच सूरत क्राइम ब्रांच को उसके कोलकाता में छिपे होने की खबर मिलने पर पुलिस ने उसे कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक पूछताछ में पुलिस को पता चला कि वह फिर से राजस्थान में अपने ऑयल चोरी के नेटवर्क को सक्रिय करने के फिराक में था।

ऐसे करता था चोरी माफिया

संदीप पहले भूमिगत ऑयल पाइप लाइन का पता लगाता था। फिर वहां ऑयल चोरी का अपना पूरा नेटवर्क बनाता था। उसके पाइप लाइन के एक किलोमीटर के दायरे में बंद फैक्ट्री या शेड़ किराए पर लेता था। पाइप लाइन छेद करवा कर वहां से गुप्त पाइप लाइन के जरिए ऑयल को अपने शेड़ तक पहुंचाता था। अपने शेड़ में गुप्त रूप से ऑयल ड्रम भरवा कर उन्हें टैंकरों की बदले कंटेनरों में विभिन्न फैक्ट्रियों, ईंट भट्टों को बेचता था।

आठ किलो गांजे के साथ पकड़ा गया युवक, एक किलो की कीमत 24 हजार रुपये होने का खुलासा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत पुलिस के नो-ड्रग्स अभियान के बाद शहर में गांजे की तस्करी करना मुश्किल हो गया है। सूरत में गांजे की कमी को महसूस करते हुए नशा कारोबारियों ने गांजे के दाम बढ़ा दिए हैं। ओडिशा से 5 हजार रुपय में एक किलो मिलने वाले गांजे की कीमत अब 24 हजार रुपये प्रति किलो कर दी गई है। लिंबायत से 8 किलो गांजा के साथ पकड़े गए युवक से पूछताछ में यह खुलासा हुआ है।

वह घर में ही गांजे के पैकेट बनाता था

एसओजी को मिली सूचना के आधार पर एसओजी ने लिंबायत बेठी कॉलोनी में फारूकी मस्जिद के सामने हाउस नंबर ए/65 की दूसरी मंजिल पर रहने वाले वसीम कय्यूम सैयद (यू.एस. 23) को गिरफ्तार किया। घर में सोफे पर रखे बैग की तलाशी लेने पर 88300 रुपए कीमत का 8 किलो 830 ग्राम गांजा मिला। एसओजी ने वसीम के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया और कुल 1,03,300 रुपये नकद जब्त किए।

मामा ने गांजा लाकर दे दिया वसीम से पूछताछ करने पर पता चला कि वह गांजे की पडीकी बनाकर चोरी-छिपे बेचता है। उसे गांजे का जत्था अपने मामा अकरम अल्लारखा शेख (निवासी मीठीखड़ी, लिंबायत) और उनके दोस्त सोएब इकबाल शेख (निवासी कमरुनगर टेनामेन्ट के पीछे, मीठीखड़ी) कुछ दिन पहले बेचे गए थे।

नशे के सौदागरों ने दाम बढाए वसीम से और पूछताछ करने पर पता चला कि सूरत सिटी में सूरत पुलिस के नो ड्रग्स अभियान के बाद गांजे की कमी के कारण ड्रग डीलरों ने इसकी कीमतों को बढ़ा दिया है। ओडिशा से पहले पांच हजार रुपए में भेजे जाने वाले गांजे की कीमत पांच गुना बढ़कर 24 हजार रुपए हो गई है। इसकी कीमत उनके चाचा ने चुकाई और बड़ी मुश्किल से उड़ीसा से गांजा लाए और उसे बेचने के बाद वसीम जो छोटे पेकेट को बनाता था उसकी कीमत करीब 30 हजार रुपये प्रति किलो थी।

ज्वेलर्स की दुकान से ग्राहक के भेष में ठग महिला ने 75 हजार के कंगन पर हाथ साफ किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के घोडदौड रोड कैनोपस मॉल में शाह जयंतीलाल सन्स एंड ज्वेलर्स नाम की एक ज्वैलरी दुकान है।

दुकान में ग्राहक के रूप में आयी एक ठग महिला ने सेल्सगर्ल की नज़र चुराकर 75 हजार रुपये के कंगन चुरा लिये। उमरा पुलिस ने 14 ग्राम सोने की 75 हजार के कंगन चुरा कर भागी महिला की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की है।

ठग महिला की चोरी की हरकत सीसीटीवी में कैद हुई शाह जयंतीलाल संस एंड ज्वैलर्स के प्रबंधक अंकित नवरत्नमल जैन, कैनोपस मॉल, घोड़ोदौड रोड (उम्र 36 निवासी सहयोग एपार्टमेन्ट, विद्याकुंज स्कूल के पास, पालनपुर जकातनाका) की एक दुकान में रोजाना की तरह रात 8 बजे पूरे दिन का अकाउंट चेक कर रहे थे।

इस बीच सोने की मशीन के डिजाइन वाला एक कंगन गायब मिला और दुकान के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई।

जिसमें दोपहर करीब 1 बजे ग्राहक के वेश में सफेद पोशाक व लाल दुपट्टा पहने एक ठग महिला ने जेवर खरीदने के बहाने सेल्सगर्ल मुस्कान सिंह की नजर चुराकर 4 में से 1 कंगल चुरा लिया। चुराये कंगन को पर्स में रखते हुए महिला सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई।

14.260 ग्राम वजन का करीबन 75 हजार रुपये का कंगन चुराने वाली महिला के खिलाफ उमरा पुलिस थाने में मेनेजर द्वारा शिकायत दर्ज कराई है।

सम्मेद शिखर को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में जैन संप्रदाय ने निकाली विशाल मौन रैली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,झारखंड सरकार द्वारा सम्मेत शिखर को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में सूरत में जैन संप्रदाय विशाल मौन रैली निकाली और इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की। जैन संप्रदाय की यह रैली आज सूरत के सरगम शॉपिंग सेंटर से शुरू होकर कलेक्टर कचहरी पर संपन्न हुई। गौरतलब है सम्मेद शिखर झारखंड राज्य के गिरिडीह जिले के छोटा नागपुर पठार पर स्थित एक पहाड़ी है। जो विश्व का सबसे महत्वपूर्ण जैन तीर्थ है। इस पुण्य क्षेत्र में जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष की प्राप्ति की है। झारखंड सरकार द्वारा सम्मेत शिखर को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के फैसले के खिलाफ देशभर में जैन संप्रदाय के लोग जबर्दस्त विरोध कर रहे हैं। सूरत में झारखंड सरकार के फैसले के खिलाफ जैन संप्रदाय के लोगों ने विशाल मौन रैली निकाली। जिसमें जैन संप्रदाय के संत महामुनि और श्रावकों समेत 15000 से भी अधिक लोग बैनर-पोस्टर लेकर शामिल हुए। जैन समाज के लोगों ने कहा कि झारखंड सरकार के फैसले ने समूचे जैन समाज की आस्था को चोट पहुंचाई है। सकल जैन समाज सूरत को मुख्य उद्देश्य केवल एक ही मांग है कि उनके पवित्र तीर्थ क्षेत्र सम्मेत शिखर को पर्यटन स्थल की घोषणा वापस ली जाए और पवित्र तीर्थ स्थल घोषित किया जाए।

अब शहर में घरेलू कचरा उठाने आएंगे ई-वाहन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 ई-चार्जिंग स्टेशनों को लॉन्च करते हुए शहर को ई-शहर के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। नगर पालिका ने भी घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से ई-वाहनों में बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके तहत 1 जनवरी से कचरा संग्रहण के लिए 124 ई-टेम्पो लॉन्च किए गए थे। कुछ जोन में ट्रैक्टर से कूड़ा उठाने का काम किया जा रहा था। अब ट्रेक्टर के स्थान पर ई टेम्पो कचरा उठाने आऐंगे।

124 ई-वाहन लॉन्च किए गए नगर पालिका ने पहले खुले में कचरा ढोने वाले ट्रैक्टरों को हटाने के लिए नामित एजेंसियों को लगाया था। नगर पालिका के ठोस कचरा विभाग ने बताया कि पहले चरण में 75 ट्रैक्टरों को हटाया गया और नए साल की शुरुआत के साथ 124 ई-वाहन लॉन्च किए गए। इसलिए ईवी अब कचरा उठाने के लिए सड़कों पर उतरेंगे। नगर पालिका का कहना है कि शेष वाहनों को भी चरणबद्ध तरीके से ईवी में बदला जाएगा।

सोसायटियों को कूड़ा निस्तारण के लिए राजी किया जाएगा नगर पालिका ने लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सघन प्रयास किया है ताकि घरों से सूखे और गीले कचरे को अलग किया जा सके।

9 जोन में 100-100 एनजीओ के माध्यम से 900 सोसायटियों के अध्यक्षों से मिले और सूखे-गीले कचरे के पृथक्करण के बारे में जागरूक किया गया। वर्तमान में 200 से अधिक सोसायटियों में 100 फीसदी सेग्रीगेशन लागू कर दिया गया है। अगले सप्ताह में धीरे-धीरे 900 सोसायटियों का लक्ष्य है। जबकि शहर की सभी छह हजार से अधिक सोसायटियों में अगले तीन माह में धीरे-धीरे समझाइश दी जाएगी।

मनपा आयुक्त ने गार्बेज सेग्रीगेशन की समीक्षा की सोमवार को नगर आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने सुविधा रो हाउस सोसायटी में सेग्रीगेशन की समीक्षा की और निरीक्षण किया कि कचरा संग्रहण वाहन द्वारा सोसायटी से सूखा और गीला कचरा अलग किया जा रहा है या नहीं। यहां 210 घर हैं।

आयुक्त ने सोसायटी के अध्यक्ष के साथ ही सोसायटी के सदस्यों के कार्यों की सराहना की और इसे शहर की सभी सोसायटियों में लागू करने की अपील की।

केबल पुल पर मासूम बच्चे को छोड़कर भागे मां-बाप दबोचे गए, कहा - आर्थिक तंगी के चलते बच्चे को छोड़ा था!

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के अडाजन इलाके में 19 दिसंबर को रात के समय मासूम बच्चे को केबल पुल पर छोड़कर माता-पिता भाग गए थे। सीसीटीवी फुटेज में बच्चे को पुल पर छोड़े जाने की बात सामने आने के बाद जांच शुरू की गई। एक 25 दिन के बच्चे को पुल पर निष्ठुरता से कडी ठंड में लावारीस छोड़ दिये जाने की घटना चर्चा का विषय बन गई थी। अडाजन पुलिस ने लगातार जांच का दौर जारी रखा। उसके बाद बच्चे के माता-पिता को पालनपुर जकातनाका से गिरफ्तार किया गया है। बच्चा अभी भी सिविल अस्पताल के शी टीम और नर्सिंग स्टाफ की निगरानी में है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की गई पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की, जिसमें पता चला कि बच्चे को छोड़ने वाले पति-पत्नी ट्रेन से वलसाड गए थे। वलसाड के बाद वे मुंबई चले गए। मुंबई जाने के बाद कुछ दिन वहां रहने के बाद वे वापस सूरत आ गए। सूरत पहुंचते ही वह फिर पालनपुर जकातनाका के पास आए जहां काम करने के लिए सभी मजदूर इकट्ठा होते हैं और पुलिस ने गुप्त सूचना पर उन्हे गिरफ्तार कर लिया।

आर्थिक तंगी के कारण बच्चे को छोड़ा था अडाजन पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गये माता-पिता मूल रूप से महेसाणा के रहने वाले हैं। अडाजन थाने लाए जाने के बाद उनसे बातचीत में मजदूर दंपती ने कहा कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। चूंकि बच्चे की मां काम नहीं कर रही थी, केवल पति ही काम कर रहा था और मजदूरी करके रोजाना रुपए ला रहा था। ऐसे में बच्चे को सहारा देना उनके लिए काफी मुश्किल था। इसलिए उन्होंने खुद को बेबस महसूस किया और अपने ही बच्चे को लावारीस छोड़ने का फैसला किया।

बच्चा अभी भी सिविल अस्पातल में जैसे ही घटना हुई, अडाजन पुलिस ने अलग-अलग जगहों के करीब 100 सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें दंपति के सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचने का समय भी शामिल था। तभी सीसीटीवी में उनके चेहरे साफ नजर आ रहे थे।

तब तय हुआ कि यही मजदूर है और उसने ही इस बच्चे को पुल पर छोडा था। वलसाड के बाद जब वह मुंबई जा रहे थे तो उसे ढूंढ पाना पुलिस के लिए मुश्किल था, लेकिन आखिरकार जब वह वापस सूरत आया तो पुलिस ने उन्हे पकड़ लिया। सिविल अस्पताल में अभी भी शी टीम और नर्सिंग स्टाफ द्वारा बच्चे की देखभाल की जा रही है।

नव विवाहित बहु द्वारा सास के गहने चुराने का मामला पुलिस थाने पहुंचा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में एक अजीबोगरीब वाकया हुआ है। यहां एक सास अपने बेटे के साथ अपनी बहू (बहू) के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंची। सास जो पेशे से सरकारी कर्मचारी हैं, की शिकायत सुनकर पुलिस के भी कान खड़े हो गए। सास ने अपनी बहू पर गहने चोरी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और रांदेर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सात माह पूर्व दुल्हन बनकरआई बहू पर शक मामले का तथ्य यह है कि दक्षाबेन महेशबाबू मोदी 52 वर्षीय विधवा हैं। वह सिंचाई विभाग रामनगर व ओलपाड में तलाटी के पद पर कार्यरत हैं। दक्षाबेन संगीन गार्डेनिया दांडी रोड जहांगीराबाद में बेटे प्रशांत और बहू आयुषी के साथ रहती हैं। पुलिस थाने में दक्षाबेन द्वारा दिये गये बयान के मुताबिक बेटे प्रशांत की शादी आयुषी से 16-5-2022 को हुई थी। आयुषी ने सूरत के नानी महावीर अस्पताल में डीएमएलटी (डीएसएस) की पढ़ाई कर रखी है।

बहू के खिलाफ रांदर थाने में शिकायत इस बीच, पर 5 अक्टूबर, 2022 को दशहरे के दिन, दक्षाबेन ने अपने बेटे को अपने पहने हुए आभूषणों को लकड़ी की अलमारी के लॉकर में अपने बेडरूम में रखने दिया। उसके एक माह बाद 11 नवंबर को बेटे प्रशांत ने पुराने गहनों से अपने लिए नई चेन बनवाने की बात कही तो वह लॉकर से जेवर निकालने गया, लेकिन लॉकर में जेवर नहीं थे। माना जा रहा है कि किसी ने चाभी से लॉकर खोला और जेवर चुरा लिए। 1.60 लाख रुपये के सोने के जेवरात और 4000 रुपये के चांदी के जेवरात समेत 1.64 लाख रुपये के जेवरात चोरी हो गये। घर में चेक किया गया, लेकिन जेवरात का कहीं पता नहीं चला।

बेटे को सुरक्षित रखने को दिए थे गहने, चाभी से लॉकर खोला दक्षाबेन ने अपने बेटे प्रशांत को गहने अपने बेडरूम की अलमारी के लॉकर में रखने दिए। इस बेडरूम में सिर्फ बेटा और बहू ही रहते थे। साथ ही, दक्षाबेन को शक है कि बहू आयुषी ने ही लॉकर की चाबी से खोले गए जेवरात चुरा लिए हैं। देखते हैं इस मामले में आगे जांच में क्या तथ्य निकल कर सामने आते हैं।

आप विधायक ने जीईबी को दी धमकी कहा-हमारे इलाके में घुसे तो बाहर निकल नहीं पाओगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नर्मदा,गुजरात विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के पांच विधायक चुने गए हैं जिसमें नर्मदा जिले के डेडियापाडा क्षेत्र के चैतर वसावा जीत के बाद जनता की समस्याओं को लेकर सक्रिय हो गए हैं। चैतर वसावा ने गुजरात विद्युत बोर्ड (जीईबी) धमकी दी है कि अगर बगैर पूछे उनके इलाके में कोई घुसा तो बाहर निकल नहीं पाएगा। दरअसल चैतर वसावा अपने निर्वाचन क्षेत्र डेडियापाडा इलाके के सरपंच नेता और किसानों की समस्याओं को लेकर जीईबी की कचहरी पहुंचे थे। जहां उन्होंने कचहरी में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को जनता की बिजली संबंधी समस्याओं का जल्द निपटारा करने की हिदायत दी। साथ ही कहा कि अगर कोई भी उनसे पूछे बगैर उनके इलाके में घुसा तो बाहर निकल नहीं पाएगा। बाद में चैतर वसावा ने कहा कि डेडियापाडा कचहरी में पर्याप्त स्टाफ नहीं है। यहां पिछले 5 साल से कृषि संबंधी बिजली कनैक्शन के 1029 आवेदन लंबित हैं। डेडियापाडा के अनेक गांवों में पिछले 12 दिनों से बिजली नहीं हैं। खेत में टीसी जलने पर किसानों को दो-तीन महीने तक कचहरी के धक्के खाने पड़ते हैं लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता। आदिवासी क्षेत्रों में इतनी समस्याए हैं ऐसे में सरकार से जवाब दे कि आखिर ट्रायबल बजट के करोड़ों रुपए कहां गए?

सूरत नगरपालिका के वर्ष 2022-23 के बजट में 15 हजार से ज्यादा मकान बनाने का प्रावधान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका द्वारा जरूरतमंद प्रत्येक व्यक्ति को घर उपलब्ध कराने के निर्णय के बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के तहत आवास निर्माण शुरू किया गया है। वर्तमान में नगर पालिका के रांदेर जोन में अडाजन फायर स्टेशन के पीछे नगरपालिका की भूमि में लगभग 408 आवासों का निर्माण करने की योजना है। बजट में 15 हजार से अधिक आवास बनाने का प्रावधान सूरत नगरपालिका के वर्ष 2022-23 के बजट में 15 हजार से अधिक आवास बनाने का प्रावधान किया गया